# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र


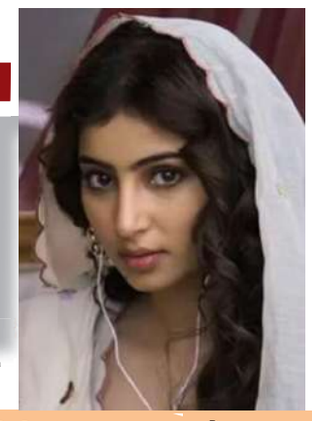


लंच तक इंग्लैंड के 83/2, एक ही ओवर में रेड्डी ने इंग्लैंड को दिए ..... -पेज: 7

धुरंधर में 20 साल बड़े रणवीर सिंह के साथ करेंगी रोमांस..... -पेज: 8



वर्ष: 01 | अंक: 92 | शुक्रवार 11 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए


# पीएम मोदी को नामीबिया का सबसे बड़ा सम्मान, अब तक मिल चुके 27 अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड; किस-किस देश ने किया सम्मानित

**नई दिल्ली (एजेंसी):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को नामिबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें नामीबिया की राष्ट्रपति नेतुम्बो नंदी-डैतवाह ने एक खास समारोह में दिया। ये भारत और नामीबिया के रिश्तों की नई इबारत लिखने की शुरूआत है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय नेता को यह सम्मान हासिल हुआ है। पीएम मोदी ने यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित करते हुए कहा, मुझे इस देश के सर्वोच्च सम्मान देने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपके सामने लोकतंत्र की जननी के प्रतिनिधि के रूप में खड़ा हूं, और मैं अपने साथ भारत के 1.4 अरब लोगों की हार्दिक शुभकामनाएं लाया हूं। उन्होंने नंदी-डैतवाह और नामीबिया की जनता का शुक्रिया अदा किया। इस सम्मान का नाम वेल्विट्शिया मिराबिलिस पौधे के नाम पर रखा गया। ये पौधा नामीबिया की जमीन पर ही उगाया जाता है। 27वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान, भारत की बढ़ी शान यह सम्मान पीएम मोदी का 27वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह उनकी हालिया पांच देशों की यात्रा का चौथा और पिछले 24 घंटों में दूसरा पुरस्कार है। यह सम्मान भारत की दुनिया में बढ़ती साख को दशार्ता है। अगर आप पूछें कि पीएम मोदी को अब तक कितने देशों से सम्मान मिले, तो इसकी फेहरिस्त लंबी है। - नामीबिया : ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस - ब्राजीलः ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस त्रिनिदाद और टोबैगोः द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो घानाः द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना साइप्रसः ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस क्क्क श्रीलंकाः मित्र विभूषणा मॉरीशसः ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन कुवैतः द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर सूडानः द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस बारबाडोसः ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस अवार्ड डोमिनिकाः द डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर नाइजरः ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर रूसः ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल भूटानः ऑर्डर ऑफ सियालपो फ्रांसः ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजियन ऑफ ऑनर ग्रीसः ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर मिस्रः ऑर्डर ऑफ द नाइल फिजीः कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी पापुआ न्यू गिनीः ग्रैंड कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लॉगोहु पवाउः अबाकी अवार्ड मालदीवः ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंगुइश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन अमेरिकाः लीजन ऑफ मेरिट बाय द यूएस गवर्नमेंट बहरीनः किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां अफगानिस्तानः स्टेट ऑर्डर ऑफ घाजी अमीर अमानुल्लाह खान सऊदी अरबः द किंग अब्दुलअजीज साश संयुक्त अरब अमीरातः ऑर्डर ऑफ जायद अवार्ड फलस्तीनः ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फलस्तीन अवार्ड

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया। नामीबिया के राष्ट्रपति नेतुम्बो नंदी-डैतवाह ने उन्हें यह सम्मान दिया।**

## पीएम मोदी से मिला 'राष्ट्र प्रथम' का संदेश, मैं उन्हें अपना गुरु मानती हूं: रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली (एजेंसी):** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना गुरु बताया और कहा कि उन्होंने लोगों के मन में राष्ट्र प्रथम" की भावना जागृत की है। गुप्ता ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के साथ दक्षिण दिल्ली के अधचिनी गांव में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के आरंभ पुस्तकालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, गुरु पूर्णिमा के मौके पर आज मैं प्रधानमंत्री मोदी को उनकी शिक्षाओं के लिए याद कर रही हूं। मैं उन्हें अपना गुरु मानती हूं। मैं उन्हें पांच देशों की आठ दिवसीय सफल यात्रा के लिए बधाई देती हूं। उन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर बड़ी सफलता और देश को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।" गुप्ता ने कहा कि जिन देशों की प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा की वहां उन्हें संबंधित देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम से इतर मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ऐसी महान शख्सियत हमें राष्ट्र प्रथम का संदेश देती है। एक गुरु के रूप में वह सिखाते हैं कि हमें नए दृष्टिकोण के साथ निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए। मैं उन्हें नमन करती हूं।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एनशिएन्ट वेल्विट्चिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया।

## प्रशांत किशोर ने कन्हैया कुमार की जमकर की तारीफ, बोले- उनसे डरा हुआ है राजद नेतृत्व

**पटना (एजेंसी):** जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के प्रमुख प्रशांत किशोर ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार की जमकर तारीफ की है और उन्हें बिहार में कांग्रेस का सबसे प्रभावशाली नेता बताया है। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस के भीतर अंदरूनी तनाव की ओर भी इशारा किया है। किशोर ने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) कन्हैया जैसे नेताओं से डरा हुआ है, उन्हें डर है कि वे नेतृत्व को चुनौती दे सकते हैं। उनकी यह टिप्पणी बिहार में मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ महागठबंधन के विरोध प्रदर्शन के दौरान कन्हैया कुमार और पप्पू यादव को सुरक्षाकर्मियों द्वारा वैन में चढ़ने से रोके जाने के बाद आई है। इस घटना के बारे में बात करते हुए,

किशोर ने कहा कि राजद नहीं चाहता कि कन्हैया जैसे प्रभावशाली नेता कांग्रेस में सक्रिय रहें। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है, और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राजद पर उनकी निर्भरता का संकेत दिया। उन्होंने कहा, "यह उनका अंदरूनी मामला है। हालाँकि, कन्हैया कुमार बिहार में कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक हैं... इससे हमारी बात साबित होती है कि राजद नेतृत्व कन्हैया कुमार जैसे लोगों से इतना डरा हुआ है कि उन्हें लगता है कि अगर कोई नया व्यक्ति आया, तो वह नेतृत्व को चुनौती देगा।" उन्होंने आगे कहा कि राजद कभी नहीं चाहेगा कि उनके जैसे नेता या अन्य प्रभावशाली नेता कांग्रेस में सक्रिय हों...कांग्रेस का बिहार में कोई आधार नहीं है...कांग्रेस केवल वही करती है जो राजद नेतृत्व तय करता है। बुधवार को, कन्हैया कुमार और पप्पू यादव ने पटना में 'बिहार बंद' रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव को ले जा रही वैन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। घटना के वीडियो में दोनों नेताओं को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ जाने से रोका जा रहा है, जिससे गठबंधन में दरार की अटकलें तेज हो गई हैं।

## एक राष्ट्र की शक्ति उसकी चिंतन की मौलिकता और मूल्यों की कालजयी प्रकृति में निहित होती है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

**नई दिल्ली (एजेंसी):** भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली में भारतीय ज्ञान प्रणालीर प्रथम वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। आज उन्होनें कहा कि भारत का वैश्विक शक्ति के रूप में उदय उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक गरिमा के उत्थान के साथ होना चाहिए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा उदय ही टिकाऊ होता है और हमारी परंपराओं के अनुकूल होता है। एक राष्ट्र की शक्ति उसकी सोच की मौलिकता, मूल्यों की कालातीतता और बौद्धिक परंपरा की दृढ़ता में निहित होती है। यही सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक प्रभाव) है जो दीर्घकालिक होता है और आज के विश्व में अत्यंत प्रभावशाली है। औपनिवेशिक मानसिकता से परे भारत की पहचान को पुनः स्थापित करते

हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बना राजनीतिक राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह एक सतत सभ्यता है - चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी। देशज ज्ञान को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किए जाने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, देशज विचारों को केवल आदिम और पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर खारिज करना केवल एक व्याख्यात्मक भूल नहीं थी - यह मिटाने, नष्ट करने और विकृत करने की वास्तुकला थी। और अधिक दुखद यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह एकतरफा स्मरण चलता रहा। पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया। साफ शब्दों में कहें तो–असत्य को सत्य के रूप में सजाया गया। उन्होंने सवाल किया, जो हमारी बुनियादी प्राथमिकता होनी चाहिए थी, वह तो विचार के दायरे में भी नहीं थी। हम अपनी मूल मान्यताओं को कैसे भूल सकते हैं? भारत की बौद्धिक यात्रा में ऐतिहासिक व्यवधानों को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, इस्लामी आक्रमण ने भारतीय विद्या परंपरा में पहला व्यवधान डाला - जहां समावेशन की बजाय तिरस्कार और विध्वंस का मार्ग अपनाया गया। ब्रिटिश उपनिवेशवाद दूसरा व्यवधान लेकर आया–जिसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली को पंगु बना दिया गया, उसकी दिशा बदल दी गई। विद्या के केंद्रों का उद्देश्य बदल गया, दिशा भ्रमित हो गई। ऋषियों की भूमि बाबुओं की भूमि बन गई। ईस्ट इंडिया कंपनी को 'ब्राउन बाबू' चाहिए थे

## भाजपा नेतृत्व ने जनभावनाओं को नजरअंदाज करने की हदें पार कर दी हैं: खरगे

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढहने की घटना का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाजी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा है। अधिकारियों ने बताया कि वडोदरा में बुधवार सुबह लगभग चार दशक पुराने एक पुल का कुछ हिस्सा ढह जाने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई। खरगे ने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, देश में आए दिन दुर्घटनाएँ आम बात हो गई हैं। कभी रेल दुर्घटना, कहीं उद्घाटन के साथ ही पुल में दरार आना। अभी विमान दुर्घटना के हादसे से देश उबर नहीं पाया है कि कल गुजरात से पुल ढहने की खबर आ

गई। 13 मासूम जानें चली गईं। उन्होंने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, खबरों के अनुसार तीन साल पहले ही पुल हिलने से खतरनाक स्थिति की बात कही गई थी। फिर भी कुछ नहीं किया गया। 2021 से यह गुजरात में पुल गिरने की सातवीं घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश में शासन के नाम पर केवल भाषण और विज्ञापनबाजी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। खरगे ने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी, और अक्षमता का नतीजा है। उन्होंने कहा, उम्मीद है देश की जनता इसे देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

## छात्राओं से कपड़े उतरवाने की घटना पर भड़के फडणवीस, अधिकारियों को दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

**मुंबई (एजेंसी):** नेशनल डेस्कः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक स्कूल में छात्राओं के मासिक धर्म की जांच के लिए कथित तौर पर उनके कपड़े उतरवाने के मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री गिरीश महाजन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने विधानसभा को बताया कि मुख्यमंत्री ने ठाणे जिले के एक निजी स्कूल में हुई इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। महाजन ने कहा कि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस के नाना पटोले ने निचले सदन में यह मामला उठाया और चिंता व्यक्त की कि महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में भी ऐसी घटना हो सकती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) (राकांपा-एसपी) के जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि मामले में शामिल स्कूल की प्रधानाचार्य स्वयं एक महिला हैं। पुलिस ने लड़कियों के कथित तौर पर कपड़े उतरवाने के मामले में प्रधानाचार्य और एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। महाजन

ने सदन को आश्वासन दिया कि घटना की जांच की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस मामले में पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड़ ने भी मांग की कि दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और पानी जैसी सुविधाएं जरूरी हैं। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र में ठाणे जिले के शाहपुर इलाके में स्थित स्कूल के शौचालय में खून के धब्बे देखे जाने के बाद यह पता लगाने के लिए छात्राओं के कपड़े उतरवाए गए कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है या नहीं। इस घटना से लड़कियों के अभिभावकों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने बुधवार को स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया तथा घटना में शामिल प्रबंधन और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शाहपुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बुधवार रात को स्कूल की प्रधानाचार्य और एक महिला परिचारिका को गिरफ्तार किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने यह पता लगाने के लिए कक्षा पांच से 10 तक की लड़कियों के कपड़े उतरवाकर जांच की कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि आठ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 76 (महिला के कपड़े उतरवाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा, बोले- मैं नोबेल के काबिल हूं. भाजपा का तीखा वार, कहा- भ्रष्टाचार कैटेगरी में मिलेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी):** आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक ऐसे बयान से राजनीतिक गलियारों में तूफान खड़ा कर दिया है जिसमें उन्होंने शासन और प्रशासन के लिए खुद को नोबेल पुरस्कार का हकदार बताया है। चंडीगढ़ में अपनी पुस्तक 'द केजरीवाल मॉडल' के पंजाबी संस्करण के विमोचन अवसर पर बोलते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली में उनकी सरकार के काम में बार-बार बाधा डालने के प्रयासों के बावजूद उनके प्रशासन ने प्रभावी ढंग से काम किया है। काम करने से रोके जाने के बावजूद, हमने अच्छा प्रदर्शन किया केजरीवाल ने अपने संबोधन के दौरान कहा, काम करने से रोके जाने के बावजूद, हमने अच्छा प्रदर्शन किया। उपराज्यपाल और विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद इतना कुछ करने के लिए मुझे शासन और प्रशासन का नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। यह बयान तुरंत ही विवादों में घिर गया। भाजपा का पलटवारः हास्यास्पद... अक्षमता और भ्रष्टाचार दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'हास्यास्पद' करार दिया। सचदेवा ने कहा, केजरीवाल द्वारा अपने लिए नोबेल पुरस्कार की मांग करना हास्यास्पद है। अगर अक्षमता, अराजकता और भ्रष्टाचार के लिए

श्रेणियां होतीं, तो उन्हें जरूर यह पुरस्कार मिलता। उन्होंने एएपी शासन के दौरान कथित अनियमितताओं का ज़िक्र किया जिनमें: सार्वजनिक परिवहन बसों में पैनिक बटन कक्षा निर्माण महिलाओं के लिए पेंशन योजना शराब लाइसेंस मुख्यमंत्री आवास के विवादास्पद नवीनीकरण ('शीश महल') जैसे घोटाले शामिल हैं। एएपी ने किया पलटवारः अब काम करके दिखाओ भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, वीरेंद्र सचदेवा अब सरकार में हैं। अब शासन करने का समय है सिर्फ बातें करने का नहीं। विपक्ष के दिन अब लद गए हैं अब आपको काम करके दिखाना होगा। दिल्ली असली काम का इंतजार कर रही है ध्यान भटकाने या बदनामी का नहीं। केजरीवाल का बचावः पारदर्शिता और ईमानदारी पर आधारित मॉडल अपने संबोधन के दौरान केजरीवाल ने अपने प्रशासन के पिछले रिकॉर्ड का बचाव करते हुए जोर देकर कहा कि AAP का शासन मॉडल पारदर्शिता और ईमानदारी पर आधारित है। उन्होंने कहा, अगर कोई सरकार भ्रष्ट है अगर उसके मंत्री लूटपाट कर रहे हैं तो यह मॉडल ध्वस्त हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली और पंजाब में उनकी पार्टी की सफलता भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और जनता के पैसे बचाने पर आधारित है। उन्होंने आगे कहा, पिछली सरकारों ने दावा किया था कि खजाना खाली है लेकिन हमने स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारी और मुफ्त बिजली दी क्योंकि हमने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया।

**आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक ऐसे बयान से राजनीतिक गलियारों में तूफान खड़ा कर दिया है जिसमें उन्होंने शासन और प्रशासन के लिए खुद को नोबेल पुरस्कार का हकदार बताया है।**

## संपादकीय

# पुराने वाहनों पर राहत

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर केंद्र के आयोग ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवम्बर तक स्थगित करने का फैसला किया है। दिल्ली में अब यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इसी साल एक नवम्बर से शुरू किया जाएगा। ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल चालित वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। इस फैसले का क्रियान्वयन शुरू होते ही जनाक्रोश बढ़ा तो दिल्ली सरकार को अहसास होने लगा कि यह फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी लगने लगा कि यह फैसला समय से पहले उठा लिया गया कदम है। क्रियान्वयन में परिचालनगत और ढांचागत चुनौतियां भी समझ आने लगीं। सरकार के हाथ-पांव फूलने लगे और उसने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) से ईओएल के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। इस पर सीक्यूएम ने समीक्षा बैठक करके इस फैसले पर फिलवक्त रोक लगाने का निर्णय लिया है। दरअसल, यह फैसला जब नवम्बर में लागू किया जाएगा तब भी दिल्ली सरकार को तमाम चुनौतियों का सामना करना होगा। एक तो यह क्रियान्वयन इतना सख्त है कि एक भी ईओएल बचने नहीं पाएगा। ऐसे में जब्ती होगी। पुराने वाहन से वाहन स्वामियों का भावनात्मक लगाव होता है, इसके अलावा कई वाहन स्वामी अपने वाहनों को अच्छे से मेंटेन करके रखते हैं और उन्हें लगता है कि उनके वाहन प्रदूषणकारी नहीं है, जो सच भी होता है, तो ऐसे में उनकी जब्ती उन्हें पच नहीं सकेगी। बीते दिनों इस फैसले के क्रियान्वयन के पहले ही दिन जिस तरह वाहन पेट्रोल पंपों पर जब्त करके वाहन स्वामियों को ह्यपैदलह्ण कर दिया गया उससे खासा जनाक्रोश पनपा। वाहन स्वामियों के नजरिए से देखें तो उन्हें गलत नहीं कहा जा सकता। बेशक, प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर की जाने वाली किसी भी कवायद या नियम-कायदे को खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन सरकार को इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि नया वाहन खरीदने के लिए मध्यम या निम्न मध्यम वर्ग पर आर्थिक बोझ पड़ना तय है। नये वाहन के लिए ऋण आदि की सहूलियत दिया जाना जरूरी है। बिना इसके आने वाले समय में भी जनाक्रोश रोके नहीं रुकेगा।

## चिंतन-मनन

# भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।
बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है।
हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिएट तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

## आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# बचपन में दिल का दर्द: क्या हमारी जीवनशैली मासूम धड़कनों की दुश्मन बन गई है?

प्रियंका सौरभ

भ जब भी हम 'हार्ट अटैक' शब्द सुनते हैं, हमारे जेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है-भागदौड़ भरी ज़िंदगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे 'कार्डियक अरेस्ट' या 'सडन हार्ट फेल्योर' बता देते हैं। क्या यह केवल संयोग है? या फिर हमारी जीवनशैली ने नन्हे दिलों पर हमला बोल दिया है?
पिछले कुछ महीनों में देशभर से कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जो इस खतरे की गंभीरता की पुष्टि करती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का है, जहां आठ साल की मासूम बच्ची स्कूल गेट पर पहुंचते ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। इससे पहले गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से भी स्कूली बच्चों की हार्ट अटैक से हुई मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंडियन मेडिकल जर्नल्स के अनुसार, 2021 और 2022 के बीच 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत के मामलों में 35% की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में अकेले भारत में 32, 457 युवाओं की मौत हृदयाघात से हुई। इनमें बड़ी संख्या 10 से 18 वर्ष के बीच के किशोरों की थी।
सवाल यह है कि ऐसा हो क्यों रहा है? क्या यह सिर्फ अनुवांशिकता का मामला है? क्या बच्चों में जन्मजात हृदय रोग अचानक सक्रिय हो रहे हैं? या फिर इसके पीछे हमारी बदलती जीवनशैली, खान-पान, स्क्रीन टाइम, मोटापा, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता का कोई बड़ा योगदान है?
विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका कारण 'मल्टी फैक्टोरियल' है-अर्थात यह कई कारकों का मिश्रण है। आज के बच्चे ब्रेड-बर्गर, पिज्जा, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर हैं। पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियाँ, दालें, फल, दूध अब उनके भोजन का हिस्सा नहीं रह गया है। पहले बच्चे गली-मोहल्ले में दौड़ते-खेलते थे। अब मोबाइल और गेमिंग कंसोल्स ने उनका बचपन छीन लिया है। खेल के मैदानों की जगह टैबलेट ने ले ली है। स्कूलों में अत्यधिक होमवर्क, कोचिंग की दौड़, माता-पिता की अपेक्षाएं और हर क्षेत्र में ह्यबेस्टह्ण बनने का दबाव बच्चों में मानसिक तनाव पैदा कर रहा है। यह तनाव शरीर में कोर्टिसोल और अन्य हॉर्मोन को असंतुलित कर देता है, जिससे हृदय पर असर पड़ता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, रील्स देखना और ऑनलाइन गेम खेलना बच्चों की नींद को प्रभावित करता है। नींद की कमी सीधे दिल की सेहत से जुड़ी है। बाल हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में हार्ट अटैक आमतौर पर 'कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज', 'कार्डियोमायोपैथी', 'इलेक्ट्रिकल डिसऑर्डर्स' या 'मायोकार्डिटिस' के कारण होता है। लेकिन इनका समय पर पता न चलने के कारण बच्चे अचानक मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में बाल स्वास्थ्य की जांच प्रणाली बहुत कमजोर है। अधिकतर स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप नहीं होते, और माता-पिता भी बच्चों के थकान या सांस फूलने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं।
इस संकट से निपटने के लिए हमें एक बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सरकार को सभी निजी और सरकारी स्कूलों में हर 6 महीने में हृदय जांच, ईसीजी और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य करना चाहिए। स्कूलों में 'फिट इंडिया' जैसे अभियानों को गंभीरता से लागू किया जाए। बच्चों को योग, प्राणायाम, ध्यान और नियमित शारीरिक व्यायाम के लिए प्रेरित किया जाए। माता-पिता को अपने बच्चों के खान-पान, नींद और स्क्रीन टाइम पर सतर्क निगरानी रखनी होगी। बच्चे की थकान, चिड़चिड़ापन या किसी भी असामान्य शारीरिक लक्षण को गंभीरता से लें।
विद्यालयी पाठ्यक्रम में 'पोषण शिक्षा' को शामिल किया जाए ताकि बच्चे कम उम्र से ही हेल्दी फूड और शरीर के महत्व को समझ सकें। टेलीविजन और डिजिटल मीडिया को केवल उत्पाद बेचने के बजाय समाज को स्वस्थ जीवनशैली के लिए शिक्षित करने की भूमिका निभानी चाहिए। यह विडंबना ही है कि जब भारत 'विकसित राष्ट्र' बनने की दौड़ में है, तब उसका भविष्य यानी बच्चे हृदय रोगों से जूझ रहे हैं। नीति आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय को मिलकर एक समन्वित नीति बनानी चाहिए, ताकि बच्चों की स्क्रीनिंग, हेल्थ एजुकेशन और इमरजेंसी सुविधाएं हर स्कूल में सुनिश्चित हो सकें। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव संसाधन विकास का मामला है।
बचपन धड़कनों का त्योहार होता है, न कि जीवन का अंतिम पड़ाव। जब कोई बच्चा दिल के दौरे से दम तोड़ता है, तो केवल एक जीवन नहीं जाता-एक भविष्य, एक सपना और एक परिवार उजड़ जाता है। हमें यह स्वीकारना होगा कि बच्चों का दिल अब पहले जैसा मजबूत नहीं रहा-क्योंकि हमने उसे कमजोर बना दिया है। अब समय आ गया है कि हम सिर्फ 'हार्ट डे' पर भाषण न दें, बल्कि हर दिन बच्चों के दिल की चिंता करें। नहीं तो वो दिन दूर नहीं जब स्कूल का बस्ता नहीं, स्ट्रेचर उठाना पड़ेगा।

# हिन्दी विवाद: सियासी पैंतरा या भाषा की चिंता

मोनिका चौहान

हाल में कर्नाटक में बेंगलुरु मेट्रो के साइन बोडरे पर हिन्दी के इस्तेमाल को लेकर छिड़ा विवाद अब स्थानीय मुद्दा नहीं रह गया है। धीरे-धीरे पूरे दक्षिण भारत में फैल चुका है।
सोशल मीडिया से लेकर टेलीविजन डिबेट्स तक में गूंज रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ता भी सक्रिय हो गए हैं। हाल में उन्होंने मुंबई के मीरा रोड पर मोर्चा निकाला जहां वे हिन्दी में लिखे साइन बोर्ड हटाने की मांग कर रहे हैं।
एमएनएस कार्यकर्ता जगह-जगह दुकानों और प्रतिष्ठानों पर जाकर मराठी में बोर्ड लगाने की अपील कर रहे हैं। हिन्दी में लिखे साइन बोडरे को हटाने की चेतावनी दे रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि मुंबई में रहने वालों को मराठी आनी ही चाहिए। इसे ह्यहिन्दी थोपनेह्ण के खिलाफ सांस्कृतिक लड़ाई के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर #र३ड्ढस्त्रऌल्लक्विन्नड्ढ२३ड्ढल्ल जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं, और राजनीतिक दल इसे भाषाई अस्मिता का मुद्दा बना कर भुना रहे हैं। इस विवाद ने दक्षिण बनाम हिन्दी की बहस को हवा दे दी है। कन्नड़ संगठनों और कुछ क्षेत्रीय नेताओं ने इसे ह्यहिन्दी थोपनेह्ण का प्रयास बताया हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भी हिन्दी के खिलाफ तीखे स्वर उठे हैं।
यह कोई पहली बार नहीं हुआ। समय-समय पर दक्षिण भारत से हिन्दी विरोध के स्वर उठते रहे हैं, जो अक्सर क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए वोट बैंक की राजनीति का साधन बन जाते हैं। ताजा विवाद याद दिलाता है, जब कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने 2022 में कहा था कि हिन्दी अब राष्ट्र भाषा नहीं रही। इस बयान पर बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। कहा था कि हिन्दी राष्ट्र भाषा थी, है, और रहेगी। देखते ही देखते यह सांस्कृतिक बहस से खिसक कर राजनीतिक मुद्दा बन गया था। कर्नाटक के कई नेताओं ने तब भी हिन्दी पर सवाल उठाए थे। वही सिलसिला अब मेट्रो के साइन बोडरे को लेकर फिर सिर उठा रहा है।
सवाल यह है कि आखिर, हिन्दी पर बार-बार का हमला क्यों? हिन्दी कोई थोपी गई भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लाखों भारतीयों के सपनों की आवाज थी। गांधी, नेहरू, पटेल जैसे नेताओं ने हिन्दी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम माना। आज भी हिन्दी उत्तर भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की संपर्क भाषा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में हिन्दी बोलने वालों की संख्या 53 करोड़ से अधिक है। पिछले 50 सालों में हिन्दी बोलने वालों की आबादी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। हिन्दी न केवल उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान जैसे राज्यों की प्रमुख भाषा है, बल्कि महानगरों में भी प्रवासी भारतीयों के कारण लगातार फैल रही है।
दक्षिण भारतीय भाषाओं की बात करें तो तेलुगू को 6.7%, तमिल को 5.7% और कन्नड़ को मात्र 3.6% लोग मातृ भाषा मानते हैं। फिर भी हिन्दी पर निशाना साधना राजनीतिक दलों के लिए सुविधाजनक मुद्दा बना हुआ है। हिन्दी का विरोध करने वाले अक्सर तर्क देते हैं कि हिन्दी का प्रभुत्व क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर कर देगा। पर क्या सचमुच ऐसा है? तथ्य तो यह कहते हैं कि हिन्दी और अन्य भाषाओं में सहअस्तित्व है। उदाहरण के लिए, दक्षिण भारत की ही फिल्म इंडस्ट्री को लें। कन्नड़ फिल्म केजीएफ-2ने हिन्दी डबिंग के दम पर लगभग 900 करोड़ रुपये की कमाई की। दक्षिण की फिल्मों को पैन-इंडिया हिट बनाने में हिन्दी का योगदान छुपा नहीं है।
यह भी सच है कि भारत की भाषाई विविधता उसकी ताकत है। तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली जैसी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें बचाना और सहेजना जरूरी है। लेकिन इनकी अस्मिता को हिन्दी के विरोध के बहाने राजनीतिक मंच पर भुनाना खतरनाक प्रवृत्ति है। तमिलनाडु का इतिहास इस राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। 1937 में हिन्दी को स्कूलों में अनिवार्य बनाने के प्रयास के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 1965 तक आते-आते हिंसक हो गया था। राजाजी (सी. राजगोपालाचारी) जैसे नेता इसे उत्तर भारतीय प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में पेश किया करते थे। आज वही रणनीति कर्नाटक में भी दोहराई जा रही है।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में न्यायपालिका में हिन्दी के उपयोग की वकालत कर हिन्दी प्रेमियों में उम्मीदें जगाई हैं पर सरकार को भी समझना होगा कि किसी भी भाषा को थोपना एकता को नहीं, बल्कि विभाजन को जन्म देता है। हिन्दी के प्रसार का मार्ग स्वाभाविक स्वीकार्यता से ही निकलेगा, न कि आदेशों या कानूनों से। दक्षिण भारत के कई नेता हिन्दी को ह्यआक्रमणकारीह्ण भाषा की तरह पेश करते हैं। लेकिन सच यह है कि हिन्दी करोड़ों भारतीयों के दिलों की आवाज है। न केवल हमारी संस्कृति, बल्कि हमारी पहचान का भी हिस्सा है। हिन्दी पर वार दरअसल, भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता पर चोट है। यह समय है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दल इस तथ्य को समझें।

# जनसंख्या नीति नहीं, जनजागरूकता है असली समाधान

बढ़ती आबादी के निरंतर बढ़ते खतरे... जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।
देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।
जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।
जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

# जिले में श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोनिका गौतम ने संभाला चार्ज, गिनाईं प्राथमिकताएं

**अमरोहा (सबका सपना) रोहित कुमारः-** जिले में नव नियुक्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोनिका गौतम ने हाल ही में अपना पदभार ग्रहण किया है। इस अवसर पर उन्होंने अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत की और जिले में श्रमिकों के कल्याण व श्रम कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। मोनिका गौतम ने अपनी जिम्मेदारी को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए श्रमिकों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। मोनिका गौतम ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता जिले में कार्यरत श्रमिकों के लिए श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अक्सर श्रमिकों को उनके अधिकारों, जैसे न्यूनतम मजदूरी, काम के घंटे, और सुरक्षित कार्यस्थल, के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती। इस दिशा में वह जागरूकता अभियान चलाने की योजना बना रही हैं ताकि श्रमिक अपने अधिकारों को समझ सकें और उनका लाभ उठा सकें। इसके लिए विभिन्न कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रमिकों को उनके कानूनी हकों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने जिले में बाल श्रम और अवैध श्रम प्रथाओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मोनिका गौतम ने जोर देकर कहा कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक समस्या है, और इसे जड़ से खत्म करने के लिए वह सख्त कदम उठाएंगी। इसके लिए वह स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संगठनों, और सामुदायिक नेताओं के साथ मिलकर काम करेंगी ताकि बच्चों को शिक्षा और बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित किया जा सके। श्रमिकों की सुरक्षा भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक इकाइयों और निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया जाएगा। इसके लिए नियमित निरीक्षण और कार्यस्थलों की जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि श्रमिकों को सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण मिले। साथ ही, उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, जैसे दिहाड़ी मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों, के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मोनिका गौतम ने यह भी कहा कि वह जिले में श्रम विभाग और अन्य सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेंगी ताकि श्रमिकों से संबंधित योजनाओं का कार्यान्वयन प्रभावी ढंग से हो सके। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, जैसे श्रमिक पेंशन योजना, स्वास्थ्य बीमा, और मातृत्व लाभ योजना, को अधिक से अधिक श्रमिकों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अंत में, मोनिका गौतम ने स्थानीय समुदाय से सहयोग की अपील की और कहा कि श्रमिकों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उनकी नियुक्ति से जिले के श्रमिकों में एक नई उम्मीद जगी है, और लोग उनकी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

# तहसील परिसर में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया पौधा रोपण

**नौगावा सादात/अमरोहा (सब का सपना) शौसिहं सैनीः-** बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रदेश , क्षेत्र व जिला के संगठन के आदेश अनुसार एक पौधा मां के नाम राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह व ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द सिंह ढिल्लों ने मिलकर तहसील परिसर में पहुंचकर जामुन व अमरूद के फलदार धरती मां के नाम पौधे लगाए एवं उनकी देखरेख व पालने की भी जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि पौधा लगाने से ही केवल काम नहीं चलेगा बल्कि उन पौधे को लगाकर उसको पालने की भी हम सब की जिम्मेदारी बनती है क्योंकि पौधे मनुष्य के जीवन का एक अहम हिस्सा होते है जैसे हम अपनी मां की सेवा करते हैं इस प्रकार पौधे भी धरती मां की रक्षा करते हैं। हरे पेड़ पौधों से हमें फल व छाया के साथ-साथ ऑक्सीजन भी प्राप्त होती है जो मनुष्य के शरीर को बहुत ही लाभकारी साबित होती हैं। पौधों से प्रदूषण भी नियंत्रित रहता है और वर्षा ऋतु भी ठीक प्रकार से होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में प्रत्येक वर्ष कम से कम पांच पौधे अवश्य लगाने चाहिए और उनका पालन-पोषण भी करना चाहि। इस अवसर पर एसडीम नौगांवा सादात सुनीता सिंह, नायब तहसीलदार श्रीपाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सम्पत्ति की भूमि की ई-नीलामी के माध्यम से आनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग आमन्त्रण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले के अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप ने जानकारी देते हुए कहा कि अभिरक्षक शत्रु सम्पत्ति, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा (6/2025) ई-नीलामी के अन्तर्गत ग्राम बछरायूँ तहसील धनौरा, ग्राम उझारी तहसील हसनपुर जनपद अमरोहा की शत्रु सम्पत्तियों को आनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग के द्वारा विक्रय किए जाने हेतु "जैसा है जहां है", और "जैसा है जो है" और "जो कुछ है" के आधार पर एम.एस.टी.सी. पोर्टल पर निविदा आमन्त्रण हेतु लोड किया गया है जिसकी ई-नीलामी दिनांक 16.07.2025 को 11:00 बजे प्रारम्भ होकर सांय 4:00 बजे तक होगी जो वेबसाइट https:// www. mstcecommerce. com के माध्यम से होगी। कड़ाई से अनुपालन एवं नीलामी में भाग लेने के लिए ई.एम.डी. राशि हेतु कृपया एमएसटीसी वेबसाइट पर नियम और शर्तें देख सकते हैं। उन्होंने वस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम-बछरायूँ, तहसील धनौरा के खसरा नं0 686/0.344हे0 व ग्राम उझारी, तहसील हसनपुर के खसरा न० 870/0.259हे0 शत्रु सम्पत्ति की भूमि की ई-नीलामी के माध्यम से आनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग आमन्त्रण की गयी है।

# डीएम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयो का त्रैमासिक रूप से निरीक्षण करने के लिए गठित की 03 सदस्य समिति

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयो का त्रैमासिक रूप से सघन एवं औचक निरीक्षण किये जाने हेतु 03 सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें सम्बन्धित तहसील के उप जिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट, संबंधित विकास खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी और 01 महिला सदस्य को नामित किया है। विकास खण्ड अमरोहा के के0जी0बी0वी0 ग्राम फजलुर के लिए उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट अमरोहा, खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरोहा एवं प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कालेज को नामित किया गया है। विकास खण्ड अमरोहा नगर में के०जी०बी०वी० नगर के लिये उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट अमरोहा, खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर अमरोहा और प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमरोहा को नामित किया है। विकास खण्ड जोया में के०जी०बी०वी० जोया के लिये उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट अमरोहा, खण्ड शिक्षा अधिकारी जोया और प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमरोहा को नामित किया है। विकास खण्ड गजरौला में के०जी०बी०वी० गजरौला के लिये उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट धनौरा, खण्ड शिक्षा अधिकारी गजरौला और प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज गजरौला को नामित किया है। विकास खण्ड धनौरा में के० जी० बी० वी० धनौरा के लिये उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट धनौरा उपजिलाधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी धनौरा और प्रधानाचार्य, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज गजरौला को नामित किया है। विकास खण्ड हसनपुर में के०जी०बी०वी० हसनपुर के लिये उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट हसनपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी हसनपुर और प्रधानाचार्य, राजकीय अम्बेडकर इण्टर कॉलेज उझारी को नामित किया है। विकास खण्ड नगर हसनपुर में के०जी०बी०वी० हसनपुर नगर के लिये उपजिलाधिकारी/ मजिस्ट्रेट हसनपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर हसनपुर और प्रधानाचार्य, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज हसनपुर को नामित किया है और इसी प्रकार गंगेश्वरी विकास खण्ड में के०जी०बी०वी० गंगेश्वरी के लिये उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट हसनपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी और प्रधानाचार्य, राजकीय अम्बेडकर इण्टर कॉलेज उझारी को नामित किया है।

# कृषकों को उनकी जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरक का विक्रय किया जाये

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलें के जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य उर्वरक (यूरिया, डी०ए०पी०, एन०पी०के०) के साथ दूसरे उर्वरक उत्पाद किसी भी दशा में टैग न किये जाये तथा कृषकों को उनकी जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरक का विक्रय किया जाये। जो भी विक्रेता भारत सरकार द्वारा जारी टॉप-20 की सूची में आता है अर्थात कोई किसान जिसके पास पर्याप्त जमीन नहीं है और वह किसान किसी माह में 40 बैग या उससे अधिक यूरिया खरीदता है तो उसकी जांच की जायेगी। यदि किसान के पास पर्याप्त जमीन न होने पर किसी माह में 40 बैग यूरिया बेचे गये हैं तो संबंधित खुदरा उर्वरक विक्रेता का उर्वरक लाइसेंस निरस्त किया जायेगा।

# पुलिस के इकबाल को चुनौती देने वाले भेजे गये सलाखों के पीछे चार आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

**सम्भल(सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देश पर तथा क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार भाटी व थाना प्रभारी थाना हयातनगर संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस टीम द्वारा 10 जुलाई से चल रहे वांछित अभियुक्तगण 1. मनवीर पुत्र दानशाह उम्र करीब 54 2. तरुण उर्फ अनीत पुत्र मनवीर उम्र करीब 25 3. मीना पत्नी तरुण उर्फ अनीत उम्र करीब 24 4. पप्पन पत्नी मनवीर उम्र करीब 52 निवासी गण ग्राम मिलक धुरैटा उर्फ बरवाली मढैया थाना हयातनगर जनपद सम्भल सम्बन्धित मुकदमा व 7 क्रिमिनल ला एमेडेमेट एक्ट को बबैना अड्डे से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों को समय से मा० न्यायालय पेश किया जा रहा हैं।9 जुलाई की रात्रि 10:05 बजे का0 595 दीपक वर्मा मय चालक HG अब्दुल सलाम के साथ PRV-1432 न.UP 32DG 1432 पर तैनात था PRV पर मो. 9012151817 से कालर ने सूचना दी की ग्राम मिलक धुरैटा उर्फ वरवाडी मढैया ढर हयातनगर क्षेत्र में हमारे परिवार के मनवीर, तरुण गुड्डू आदि आपस में झगड़ा कर रहे है सूचना पर का0 595 दीपक वर्मा मय चालक HG अब्दुल सलाम मौके पर पहुंचे तो वहा कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे मौके पर पहुंचकर मनवीर तरुण, व गुड्डू आदि से कहा की झगडा मत करो अन्यथा तुम्हारे विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी इस पर वहा मौजूद मनवीर, तरुण, गुड्डू, ऐलन, पंकज, उमेश, हप्पू, भोला, मीना, पप्पन आदि पुलिस बालो से हल्ला गुल्ला करते हुये हाथापाई करने लगे हमने समझाया तो और अधिक उत्तेजित होकर पुलिस वालो पर जान से मारने की नियत से लाठी डंडो से हमला कर दिया व एक राय होकर ईट पत्थर फैकते हुये पुलिस वालो पर टूट पडे जिससे आस पास के लोगो में अफरा तफरी और लोग अपने घरो की तरफ भागे लोगो के जूते चप्पल वही निकल गये डर के कारण आस पास के लोगो ने दरवाजे व खिडकियाँ बंद कर लिये व अपने घरो में दुवक गये इन लोगो ने पुलिस वालो के साथ मारपीट की जिस कारण पुलिस वालो ने बडी मुश्किल से अपनी जान बचाई हमले मे आरक्षी दीपक शर्मा की वर्दी भी फाड दी गयी व पत्थर बाजी कर सरकारी वाहन पीआरवी 1432 गाडी का शीशा तोडकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

# डॉ प्रियंका मोर्या ने वृद्धाश्रम वन स्टाप सेंटर गौरीगंज का किया स्थलीय निरीक्षण

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः-** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्य डॉ प्रियंका मौर्या ने बुधवार देर वृद्धाश्रम गौरीगंज तथा वन स्टाप सेंटर गौरीगंज का स्थलीय निरीक्षण किया। सर्वप्रथम आयोग की सदस्य ने वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर वृद्ध जनों का हाल-चाल जाना, उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी एवं उन्हें फल व मिष्ठान वितरित किया। इसके उपरांत उन्होंने वन स्टाप सेंटर गौरीगंज का निरीक्षण कर साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा पीड़िताओं को जरूर की सामग्री समय से उपलब्ध कराने को कहा, साथ ही पीड़िताओं को दिए जाने वाले भोजन को गुणवत्तापूर्ण व समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयोग की सदस्य ने दोनों जगह वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी नलिन राज सहित अन्य संबंधित अधिकारी

# एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपाइयों ने रोपे पौधे

**नौगावा सादात/अमरोहा (सब का सपना ) शौसिहं सैनीः-**उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रदेश , क्षेत्र व जिला भाजपा संगठन के आदेश अनुसार एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने अपने कार्यकताओं के साथ मिलकर फरीदपुर इमा स्थित गौशाला पर पहुंचकर जामुन व अमरूद के फलदार पौधे धरती मां के नाम लगाए एवं उनकी देखरेख व पालने की भी जिम्मेदारी ली। भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि पौधा लगाने से ही केवल काम नहीं चलेगा बल्कि उन पौधे को लगाकर उसको पालने की भी हम सब की जिम्मेदारी बनती है। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, भाजपा नेता इकराम सैफी, सेक्टर संयोजक अब्दुल सलाम सैफी, बूथ अध्यक्ष मयंक कुमार, रामपाल सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पुलिस अधीक्षक द्वारा वर्चुअल मीटिंग कर आगामी त्यौंहार (श्रावण मास/ कांवड़ यात्रा) को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए कि गई समीक्षा बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आगामी श्रावण मास व कांवड़ यात्रा-2025 के दृष्टिगत जनपद में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु गूगल मीट/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्यौहारों के दौरान भीड़ नियंत्रण, रूट डायवर्जन, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी/ड्रोन निगरानी, कांवड़ मार्ग की साफ-सफाई, विद्युत व स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन समीक्षा कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। वीडियो कांफ्रेंसिंग में अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, थाना प्रभारीगण, कांवड़ सेल प्रभारी, तथा समस्त चौकी प्रभारियों ने प्रतिभाग किया एवं अपने-अपने क्षेत्र की तैयारियों से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए, संवेदनशील/अति-संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए, कांवड़ मार्गों, प्रमुख चौराहों एवं धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश व सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन से रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित की जाए,-रात्रि गश्त एवं फिक्स पिकेट को प्रभावी बनाया जाए। यात्रियों व श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कांवड़ यात्रा के दौरान रूट डायवर्जन का शत प्रतिशत अनुपालन, नो-पार्किंग, वन-वे व्यवस्था तथा बैरिकेटिंग कर ट्रैफिक नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए, जनसहयोग से संवाद स्थापित कर शांति व सौहार्द बनाए रखने हेतु प्रयास किए जाएं, कंट्रोल रूम व कांवड़ सेल को 2477 सक्रिय रखा जाए व वायरलेस संचार प्रणाली को फुल एक्टिव मोड में लाया जाए, सोशल मीडिया की निगरानी कर अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाए, चिकित्सा विभाग से सम्नवय स्थापित कर मेडिकल/एम्बूलेंस व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे कांवड़ यात्रियों को आपात स्थिति में किसी भी परेशानी का सामना न करना पडे। यदि किसी कांवड़ श्रद्धालु की तबीयत खराब होती है तो तत्काल इसका संज्ञान लेकर अतिशीघ्र सहायता उपलब्ध करायी जाए। शिविर संचालकों से वार्ता कर उनकी परेशानियों को दूर करने, सभी शिविर मानक एवं शर्तें में पूर्ण है यह सुनिश्चित किया जाये, शिविरों में की गयी विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निदेर्शों से अवगत कराया गया।

# समाज में सामाजिक बुराई दहेज प्रथा पर रोकने के लिए जागरूकता कैंप का किया गया आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलें में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निर्देश पर कुन्दन कालेज अमरोहा मे स्वावलंबन कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प के अन्तर्गत बालिकाओं को अवगत कराया गया कि समाज में सामाजिक बुराई दहेज प्रथा पर रोक लगे तो लिंगानुपात के अन्तर को खत्म किया जा सकता है। समाज मे इन कुप्रथा के चलते बेटियों को बोझ समझा जाता है। ऐसे में लोगो को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। सरकार इस कुप्रा को खत्म करने के लिए सख्ती से कानून भी बना रही है। बेटियां बेटो की अपेक्षा ज्यादा भावात्मक होती है। परिवार को चलाने के साथ साथ वंश को भी आगे बढाती है। इसलिए बेटियों को भी परिवार की खुशियों का हिस्सा मानना चाहिए। महिलाओं के बिना हमारे देश की उन्नति नही हो सकती । महिलाओं की स्थिति गिरती जा रही है इसका कारण पुरूष और महिलाओं मे किए जाए रहे भेदभाव है। हमारी सरकार महिलाओ को लेकर बहुत गम्भीर है। करूणा निधि, काउंसलर, वन स्टॉप सेन्टर द्वारा बच्चो पर होने वाले यौन उत्पीडन के बारे जानकारी दी। उन्होने बताया कि पॉक्सो यानी प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्राम सेक्सुअल ऑफिंस एक्ट इस कानून को 2012 में लाया गया था । ये बच्चो के खिलाफ होने वाले यौन शोषण को अपराध बनाता है। ये कानून 18 से कम उम्र के लड़के और लड़कियों दोनो पर लागू होता है। उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि ऐसी स्थिति में अब ये जरूरी हो गया कि बच्चो भी अपनी सुरक्षा को लेकर सर्तक रहे। बच्चो को इसके प्रति जागरूक होना पड़ेगा। इसलिए परिवार के सदस्यों के लिए जरूरी है कि घर के बच्चो को सिखाया जाए कि गुड टच और बैड टच में क्या अन्तर है ताकि वो खुद जागरूक रहे ओर समय पर अपने माता-पिता को इस सम्ब्बन्ध में सूचित कर सके। इसके साथ टोल फ्री न0- 181, 1090, 1098, 112, 108, 1076, हेल्पलाइन की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। आयोजित कार्यक्रम में ममता दुबे, केन्द्र प्रबन्धक, करूणा निधी, मनोज्ञानिक सामाजिक परामर्शदाता (वन स्टॉप सेन्टर), सुश्री ललिता देवी, जेन्डर विशेषज्ञ एवं प्रधानाचार्य, अध्यापिका एवं बालिकायें/बालक एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रही।

## देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भाजपाइयों ने केक काटकर की दीर्घायु की कामना मनाया जन्मदिन

**नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना):-** गुरुवार को नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला अलीनगर में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने अपने आवास पर कार्यकताओं के साथ मिलकर देश के रक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह का जन्मदिन केक काटकर मनाया।सभी कार्यकताओं ने एक साथ मिलकर ईश्वर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता इकराम सैफी, मयंक कुमार, सुनील कुमार, हरफूल सिंह, सतीश कुमार आदि मौजूद रहे।

## आजाद अधिकार सेना के जिला अध्यक्ष बने असलम सैफी

**ढबारसी/अमरोहा (सब का सपना):-** आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आइपीएस अमिताभ ठाकुर ने असलम सैफी को अमरोहा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया. इसे लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नूतन ठाकुर ने पत्र जारी किया है. असलम सैफी के कार्य और निष्ठा को देखते हुए पार्टी ने उन्हें जिलाध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा है. इधर जिला अध्यक्ष चुने जाने के बाद असलम सैफी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए जल्द ही जिले की कार्यकारिणी गठित की जायेगी. इसके अलावा जिला कार्यालय भी खोला जायेगा। जहां आम जन मानस अपनी शिकायत कर पायेंगे. उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य है अपने हक के लिए आवाज बुलंद करना, अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ लड़ना एवं भ्रष्टाचार को खत्म करना है।

# डीएम ने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत ग्राम प्रधानों के साथ की बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने शुक्रवार से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुगम, सुरक्षित और शांति पूर्वक पूर्ण कराने एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कांवड़ रूट पर पड़ने वाले ग्रामों के प्रधानों के साथ बैठक की। इस अवसर पर ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने गांव की समस्याओं से अवगत कराया जिस पर डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता से त्वरित रूप से निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में ग्राम प्रधानों ने भी अपने सुझाव साझा किए और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डीएम निधि गुप्ता ने ग्राम प्रधानों से यात्रा को सुगम बनाने के लिए सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि आप हमारी टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपके सहयोग के बिना ये यात्रा पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। कांवड़ यात्रा को बेहतर बनाने के लिए सेवा भाव से कार्य करते हुए जिला प्रशासन का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखें। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए ग्राम प्रधानों को अपने क्षेत्र में सतर्कता बरतने की बात कही। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कांवड़ पथ और उनके गांव में स्थित शिवालयों में साफ सफाई व्यवस्था बेहतर कराने के साथ उनकी सुरक्षा जांच कराने की बात भी कही। इसके अतिरिक्त, डीएम ने ग्राम प्रधानों से कांवड़ शिविरों में डिस्पोजल सामग्री के निस्तारण में सहयोग करने की अपील की ताकि स्वच्छता बनी रहे ग्राम प्रधानों की समस्याएं सुनकर डीएम ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि कांवड़ पथ पर पड़ने वाले सभी खंभों पर शीघ्रता से लाइट्स लगवाना सुनिश्चित कराएं। शिविरों में विद्युत सुरक्षा की भी जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एडीओ पंचायत को निर्देश दिए कि कांवड़ पथ पर एक भी निराश्रित गौवंश न मिले, अगर मिला तो जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अधीक्षण अभियंता विद्युत, एडीपीआरओ सहित संबंधित अधिकारी एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

## डॉ प्रियंका मौर्या ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ प्रियंका मौर्या ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संग्रामपुर तथा विकासखंड बहादुरपुर के ब्राह्मणी में आंगनबाड़ी केंद्र व प्राथमिक विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम आयोग की सदस्य ने संग्रामपुर पहुंचकर मां कालिकन धाम मंदिर में दर्शन पूजन किया तदोपरांत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों से पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली एवं संबंधित वार्डेन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूरे विद्यालय परिसर का गहनता से निरीक्षण किया, बच्चों के रहने, खाने-पीने, उनके भोजन की गुणवत्ता, पढ़ाई-लिखाई आदि का बारीकी से जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने विद्यालय में पौधरोपण भी किया। तत्पश्चात विकासखंड बहादुरपुर के ब्राह्मणी में आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचकर दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा 6 माह के बच्चों को प्रथम बार अन्नप्राशन कराया तदोपरांत प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों से पढ़ाई के संबंध में जानकारी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में पौधारोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# पुलिस कार्यालय सभागार गौरीगंज में अपराध गोष्ठी का किया गया आयोजन

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** एसपी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार गौरीगंज में अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा व जनपद के समस्त थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष के साथ अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया । अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पाबन्दी की कार्यवाही, गुण्डा, जिलाबदर एवं हिस्ट्रीशीटर आदि पर सतर्क दृष्टि रखने, महिला संबन्धी अपराधों की रोकथाम व अभियान चलाकर अपराधियों की गिरफ्तारी तथा रात्रिगश्त को बढ़ाने, बाजारों, चौराहों, सराफा की दुकानों, बैंकों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों, वस्तुओं, दो पहिया, चार पहिया वाहनों व मोटरसाइकिल पर नई उम्र के लड़कों की चेकिंग आदि एवं आगामी त्यौहार श्रावण मास व कावड़ यात्रा के संबंध में आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए

## सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा की गई वाहन चैकिंग

**सम्भल(सब का सपना):-** शासन उच्चाधिकारियों द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में 10 जुलाई को स्कूली वाहनों निजी वाहनों का व्यावसायिक प्रयोग ओवरलोडिंग माल परिवहन करने के विरूद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें अमिताभ चतुर्वेदी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ,प्रवर्तन ,सम्भल एवं योगेन्द्र कुमार यादव यात्री मालकर अधिकारी, सम्भल व प्रवर्तन सिपाहियों की उपस्थिति रही। यह अभियान मुख्यत स्कूलों में संचालित अनफिट वाहनों के विरूद्ध केन्द्रीत रहा। विभिन्न विद्यालयों के वाहनों की चेकिंग की गई, जिसमें कुछ वाहनों को सही नहीं पाये जाने पर थाना मण्डी समिति चौकी, कोतवाली, सम्भल में निरूद्ध किया गया तथा जिन वाहनों में बच्चे सवार थे, उनका चालान किया गया। इस अभियान के दौरान बसों मैजिक प्राइवेट मारूति वैन प्रावेट इंको आदि का चालान व सीज करने की कार्यवाही की गयी। जिन विद्यालयों के वाहन नियम विरूद्ध पाये गए वे निम्नवत हैं विद्यालय बेबी गार्डन पब्लिक स्कूल, एम०एस० पब्लिक स्कूल, श्री मति मनोरमा राघव इण्टर कालेज, मुलायम सिंह यादव इण्टर कालेज, त्रिवेणी इण्टर कालेज, श्री साईं अराधना पब्लिक स्कूल, सेंट मेरी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल आदि। साथ ही निजी वाहनों का व्यावसायिक वाहन के रूप में प्रयोग करने एवं माल वाहनों द्वारा ओवरलोड माल परिवहन करते हुए पाए जाने पर चालान बन्द की कार्यवाही की गई, यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। इसके अतिरिक्त दो पहिया वाहन मोटर साईकिल पर बिना हेलमेट का प्रयोग करने के अभियोग में चालान की कार्यवाही की गई एवं वाहन स्वामी एवं चालकों परिचालको से यह अपील की गयी कि दो पहिया वाहनों पर हेलमेट एवं चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट का प्रयोग आवश्य करें तथा ऐसे वाहन स्वामी जो किसी निजी वाहन का प्रयोग व्यावसायिक ढंग से कर रहे हैं वह उन वाहनों का कन्वर्जन व्यावसायिक वाहन में कराकर ही सचालन करें।

# अमरोहा शहर में भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने किया वृक्षारोपण

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमरोहा शहर के आरजू कॉलोनी में भारत विकास परिषद की मैत्री शाखा द्वारा एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अमरोहा सदर तहसील के उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक, तहसीदार परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और शहर को हरा-भरा बनाना था। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह शहर के प्रमुख स्थानों पर हुई। उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक ने बताया कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अमूल्य उपहार है। उन्होंने कहा, "वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। ये हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करते हैं। हमारा यह प्रयास शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में एक छोटा कदम है।"कार्यक्रम में नीम, पीपल, बरगद, आम और अशोक जैसे छायादार और फलदार पेड़ों के पौधे रोपे गए। अंत में सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में और अधिक वृक्षारोपण अभियान चलाने की योजना की घोषणा की। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है, बल्कि सामुदायिक एकता और जागरूकता का भी प्रतीक है।इस अवसर पर आरजू एंक्लेव सोसाइटी के संरक्षक बृजेश चौधरी। अध्यक्ष नवीन कालरा, सचिव मनीष चौधरी, कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंह व अन्य कॉलोनी वासी मौजूद रहे।

# सुरक्षा की दृष्टि से पैदल ग्रस्त कर संदिग्धों की गई चेकिंग

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर व अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, मिशन शक्ति नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिलाओं व बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण तथा आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के थानों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थानाक्षेत्र में भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त किया गया तथा विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी।

# मुख्य विकास अधिकारी ने की पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनांतर्गत संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं वैण्डर्स के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी एवं प्रचार प्रसार, वेण्डर्स की समस्याओं, नेटमीटर की उपलब्धता व ससमय स्थापना, बिजली बिल का समय से निर्गमन व संशोधन, ऋण हेतु बैंकों के साथ समन्वय, विभिन्न बैंकों का ऋण हेतु लक्ष्य, वेण्डर को लोन के साथ अन्य

बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया। अश्वनी कुमार मिश्र ने एलडीएम को निर्देश दिए कि पीएम सूर्यघर योजना से संबंधित लोन पत्रावालियों को अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। इसके साथ बैंकवार लंबित पत्रावलियों की जानकारी कारण सहित उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त पत्रावलियों को 7 दिन के अंदर निस्तारित करें। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि प्रतिदिन निस्तारित होने वाली पत्रावली की जानकारी उपलब्ध कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योजना के अंतर्गत स्थापित संयत्र के रख-रखाव के बारे में भी लाभार्थियों को जानकारी दी जाए तथा संयत्र स्थापना हेतु लाभार्थियों को बैंक से ऋण उपलब्ध कराये जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किया जाए। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिए जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिलता है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https://pmsuryaghar. gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर पीओ नेडा सहित विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं वैण्डर्स उपस्थित रहे।

## राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में प्रवेश के इच्छुक छात्र करें ऑनलाइन आवेदन

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** जिला समाज कल्याण अधिकारी नलिनराज ने निदेशालय समाज कल्याण, उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को सूचित किया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में चल वित्तीय वर्ष 2025-26 से प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि नवीन छात्रों को प्रवेश हेतु पोर्टल https://uphms.in संचालित कर दिया गया है जिस पर छात्रों द्वारा सीधे ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है तथा उक्त के अतिरिक्त वर्तमान में निवासरत अन्तेवासी छात्र को उपरोक्त पोर्टल पर ऑनलाइन नवीनीकरण आवेदन किया जायेगा।

## सीओ और एस डीएम ने किया राजघाट बबराला, रजपुरा हरि बाबाबांध व पताली मंदिर का निरीक्षण

**गुन्नौर/संभल(सब का सपना):-** जनपद में श्रावण मास कावड़ यात्रा व गुरु पूर्णिमा के दृष्टिगत उपजिलाधिकारी गुन्नौर, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर द्वारा राजघाट बबराला, रजपुरा हरि बाबाबांध व पताली मंदिर गुन्नौर का निरीक्षण किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं व्यवस्थाओं को दुरूस्त किये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान थाना प्रभारी गुन्नौर मय पुलिस टीम के मौजूद रहे।

## सच्चाई ही एक मजबूत सामाजिक बन्धन बनाती है स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज राजेश तिवारी

**प्रयागराज।** सच्चाई ही एक मजबूत सामाजिक बन्धन बनाती है यह अभिव्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज मेजा प्रयागराज के ग्राम पंचायत बकचून्दा निवासी राजेश तिवारी ने वरिष्ठ समाजसेवी तथा वरिष्ठ करछना क्षेत्रीय नेता पं०त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय से उनके निज निवास डीहा करछना प्रयागराज में कही।खबर का दृष्टिकोणिक कराते चले कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी एक विशेष कार्य से इधर कि ओर से गुजर रहे थे उसी दरमियान दोनों ही सम्भ्रान्त जनों की आपसी सौहार्दपूर्ण भेंटवार्ता हुई।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी एवं वरिष्ठ समाजसेवी तथा वरिष्ठ करछना क्षेत्रीय नेता श्री पाण्डेय के बीच आपसी पारिवारिक सम्बन्ध हैं एवं दोनों ही सम्भ्रान्त जन एक दूसरे के सुख-दुःख में अवश्य सहभागिता करते रहते हैं।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी ने यह भी बतलाया कि उनके बड़े पिताजी अपने जमाने के सबसे वरिष्ठ मेजा क्षेत्रीय नेता स्व० सालिक राम तिवारी एवं श्री पाण्डेय के बीच बहुत ही घनिष्ठतम पारिवारिक सम्बन्ध रहे और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी उसी रिश्ते को निरन्तर आगे बढ़ा रहे हैं।आपसी सौहार्दपूर्ण साहित्यिक परिचर्चा के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सच्चाई ही एक मजबूत सामाजिक बन्धन बनाती है क्योंकि सच्चाई ही इस संसार की वह गुण जो सभी को अतिप्रिय है चाहे वह अच्छा इन्सान हो या बुरा।अच्छे इन्सान को तो सच्चाई पसन्द है ही परन्तु बुरे इन्सान को भी जब उसके स्वार्थ में कोई सच बोलकर सच्चाई पेश करता है और बुरे इन्सान का फायदा हो रहा हो तब ऐसी स्थिति में उसे भी सच्चाई पसन्द आती है परन्तु दूसरों के फायदे में बुरे इन्सान को बुराई ही पसन्द आती है क्योंकि बुरा इन्सान स्वार्थपरस्त इन्सान होता है।

# मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवा हो रहे है आत्मनिर्भर

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवको की बेरोजगारी की समस्या दूर करने और प्रदेश के हुनरमंद व कर्मठ युवाओं को अपने पैरो पर खड़ा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरूआत की है। इस योजना का मुख्य उददेश्य युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अपना उद्योग शुरू कर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 25 लाख रुपए तक एवं सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रू० तक ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें प्रदेश सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान लाभार्थी को उपलब्ध कराया जाता है. जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम रू0 6.20 लाख तथा सेवा क्षेत्र हेतु रू0 2.50 लाख तक देय होता है। जो उद्यम के दो वर्ष तक सफल संचालन के उपरान्त अनुदान में परिवर्तित हो जाता है। प्रदेश में बहुत से ऐसे युवा है जो शिक्षित और किसी न किसी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपना खुद का कोई उद्योग, स्वरोजगार शुरू नहीं कर पाते। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि राज्य के ऐसे युवा इस योजना के अन्तर्गत आवेदन करें और अपना रोजगार शुरू करें। इसके लिए सरकार उनकी आर्थिक सहायता करेगी। प्रदेश के युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर एवं सशक्त तथा आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार बड़ी तेजी से कार्य कर रही है। दूसरे राज्यों में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के अर्द्धकुशल, कुशल श्रमिक, कारीगर, शिक्षित युवा प्रदेश में वापस आयें है। इन श्रमिकों को स्थाई रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ी तत्परता से कार्य किया है। इसके तहत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुड़ी कई योजनाओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाया है। जहाँ से कोई भी पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार बेरोजगार युवाओं को खुद का उद्योग स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना को बढावा दे रही है। इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के लिए वह जरूरी है कि लाभार्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो और बेरोजगार हो। आवेदनकर्ता की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच की होनी चाहिए। और वह किसी बैंक का डिफाल्टर न हो। लाभार्थी को कम से कम हाईस्कूल पास होना जरूरी है तथा इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के पहले से इस तरह की किसी अन्य योजना का लाभ न उठा रहा हो। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत आवेदनकर्ता को आनलॉइन आवेदन करना होता है। आवेदनकर्ता के पास जन्मतिथि सम्बन्धी हाईस्कूल प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, वोटर, आई०डी० कार्ड, उ०प्र० का स्थाई निवासी होने का प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, उद्योग स्थापित करने के लिए भूमि/भवन का विवरण अभिलेख, मशीनरी उपकरण, साज-सज्जा हेतु वर्तमान दरों के कोटेशन, जाति प्रमाण पत्र, यदि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो उसका प्रमाण पत्र, बी०पी०एल० राशनकार्ड की प्रतिलिपि आदि अभिलेखों का आवेदन करते समय लगाने पड़ते है। बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद जिला स्तर पर जिला चयन समिति के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सम्बन्धित उद्योग के ऋण आदि की पत्रावली बनाकर अभिलेखों सहित सम्बन्धित बैंको को भेजी जाती है, जहाँ से लाभार्थी को ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी की इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवा लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भर हो रहे है। इस योजनान्तर्गत जनवरी, 2025 तक 22,819 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए रू0 67937.44 लाख से अधिक धनराशि मार्जिन मनी के रूप में वितरित किया गया है। इस योजनान्तर्गत 2,27,352 से अधिक लाभार्थियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। युवाओं द्वारा लगाने जा रहें उद्यमों से अन्य लोगों को भी रोजगार मिल रहा है, साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

## विधायक पुत्र सुहैल इकबाल ने किया एहसान हॉस्पिटल का फीता काटकर उदघाटन

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** क्षेत्र के लोगों की आवश्यकता ओर मरीजों की सुविधाओं को देखते हुए एक ऐसे हॉस्पिटल का शुभारंभ किया गया है जिसमें तमाम सुविधाएं और कई डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। जानकारी के अनुसार जनपद संभल के बहजोई के कृष्ण कुंज भारत पेट्रोल पंप के निकट अहसान हॉस्पिटल का विधायक पुत्र सुहैल इकबाल एवं सपा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी संख्यधर ने फीता काटकर उदघाटन किया। हॉस्पिटल के संचालक सुहैल उमर ने बताया कि हॉस्पिटल में डॉक्टर यतेंद्र पाल सिंह, एमबीबीएस, एमएस लेप्रोस्कोपिक, डॉक्टर मंसूर बेग एमबीबीएस, एमएस ईएनटी, डॉक्टर मोहम्मद हसीब बैग एमबीबीएस, एमएस कंसलटेंट आई सर्जन, डॉक्टर मोहम्मद आजम एमबीबीएस जर्नल फिजिशियन, डॉक्टर मोहम्मद सलमान एमबीबीएस, एमडी फिजिशियन, डॉक्टर मोहम्मद उवैस खान ऑप्टो, डॉक्टर फैजान खान ईएनटी स्पेशलिस्ट, डॉक्टर उजमा गायनी ओबीएस मरीजों को अपनी सेवाएं देंगे। इस मौके पर मुंशी वाहिद, सुहैल चमन, गुफरान, प्रधान नूर अहमद, प्रधान शाहिद हुसैन, शराफत हुसैन, राहुल गुप्ता, अंश वरनवाल, ललतेश यादव, डॉक्टर अब्दुल कादिर आदि लोग उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल रहे।

# नगरपालिका द्वारा एकल प्लास्टिक को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया

**चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:-** गुरुवार को चंदौसी नगर पालिका के अस्थाई कार्यालय गांधी पार्क में प्लास्टिक उन्मूलन महा अभियान आरंभ 6.0 प्लास्टिक मुक्त प्रदेश अब बने सबका उद्देश्य के तहत प्लास्टिक विक्रेता व्यापारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के सभी विक्रेताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसके तहत अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया कि एकल प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। जिसका विक्रय करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। सभी लोग प्लास्टिक का बहिष्कार करें। चंदौसी

को साफ व स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें साथ ही कहीं भी पर भी कोई भी कार्यक्रम करने से पूर्व नगर पालिका को सूचित करें। जिस कार्यक्रम के दौरान निकलने वाले कचरे का सही समय पर निस्तारण किया जा सके। चंदौसी पालिका अध्यक्ष श्रीमती लता वार्ष्णेय द्वारा सभी से शासन द्वारा चलाई जा रही है। योजनाओं में सहयोग प्रदान करने की साथ ही सिंगल प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील की गई। जिसके कारण बरसात के दौरान नाले नालियां चोक हो जाते हैं और चारों तरफ गंदगी दिखाई देती है। यदि हम पॉलिथीन का प्रयोग ना करें तो शहर साफ व स्वच्छ रहेगा व कई प्रकार के प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। बैठक के पश्चात सभी को थैला वितरण कर शपथ दिलाई गई कि पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करेंगे।इस दौरान पालिका अध्यक्ष पति अखिलेश कुमार खिलाड़ी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रियंका सिंह, सुनील कुमार, व शहर के व्यापारीगण अरविंद एमडीएच, अन्नू वार्ष्णेय, विनय सराफ, शुभम अग्रवाल, देवेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

## प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के आवास पर किया पौधारोपण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की पहल से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को पोषण देने के लिए सहजन के 50 पेड़ों का वितरण कर उनके आवास के सामने ही लगवाया गया। इसी क्रम में अपर जिला अधिकारी (वि/रा) बृजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा भी डूडा ऑफिस पर पांच पेड़ सहजन के रोपित किए। कार्यक्रम में बृजपाल सिंह डिप्टी कलेक्टर/परियोजना अधिकारी डूडा, सुरेंद्र दुबे सिटी मिशन मैनेजर सचदेवा कुमार सीएलटीसी डूडा स्टाफ उपस्थित रहे।

## मिशन शक्ति अभियान: महिलाओं को किया जागरूक

**कौशाम्बी।** महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के तहत पुलिस कप्तान राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जिले में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चियों एवं महिलाओं को सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं। इसी क्रम में थाना कौशाम्बी पर नियुक्त महिला बीट आरक्षियों (शक्ति दीदी) द्वारा गुरुवार को कस्बा बारा में भ्रमण कर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें सुरक्षा का भरोसा भी दिया गया। कहा गया कि कहीं कोई दिक्कत हो तो पुलिस को जानकारी दें। पुलिस हर समय सुरक्षा के लिए तैयार है। डरने की जरूरत नहीं है। शिकायत करने पर नाम भी गोपनीय रखा जाएगा। इसके साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं उनके अधिकारों के बारे में भी बताया गया। सभी को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गई। इसके अलावा, महिलाओं को सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी जागरूक किया गया। यह अभियान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो समाज में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करता है।

# तेज बारिश से गिरा विशालकाय पेड़

**चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:-** चंदौसी के लोग बारिश न होने से पिछले कई दिनों से गर्मी से तर्रा रहे थे लेकिन गनीमत तब हुई जब गुरुवार को शाम को तेज हवा के साथ तेज बारिश हुई फिर क्या चंदौसी की गर्मी से तर्राई हुई जनता मस्त होकर बारिश का आनंद ले रही थी लेकिन इस तेज हवा और बारिश के कारण पुरानी कचहरी से सामने एक बहुत विशालकाय और बहुत पुराना पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन को पता चलते ही तुरंत जेसीबी को मौके पर भेजा गया और तुरंत पेड़ को हटाने की कार्यवाही की गई।

## गजरौला में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान का अभिनंदन

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** प्रदेश सरकार में एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग केबिनेट मंत्री राकेश सचान का दिल्ली से आते समय चौपला चौराहे पर बुके देकर अभिनंदन किया गया। बृहस्पतिवार की दोपहर एमएसएमई मंत्री राकेश सचान गजरौला से गुजरे। यहां उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र कुमार सिंह, सहायक प्रबंधक उद्योग दीप नारायण सिंह के साथ ही जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित एवं सीएल गुप्ता फर्म में सीएचआरओ विजय प्रकाश पांडेय आदि ने पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया।

# उर्वरक बिक्री केंद्रों पर कृषि विभाग की छापेमारी, तीन नमूने लैब भेजे गए-

**अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:-** जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को कृषि विभाग की टीमों ने जनपद अमेठी के विभिन्न उर्वरक बिक्री केंद्रों पर औचक छापेमारी की। जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में गौरीगंज, शाहगढ़ और अमेठी ब्लॉक स्थित उर्वरक एवं कीटनाशक दुकानों तथा सहकारी समितियों का गहन निरीक्षण किया गया। छापेमारी की शुरूआत साधन सहकारी समिति माधवपुर से की गई, जहां यूरिया और डीएपी की उपलब्धता पाई गई और वितरण प्रक्रिया चालू थी। इसके बाद किसान सेवा केंद्र, गौरीगंज का निरीक्षण एआर कोऑपरेटिव के साथ किया गया। जिला कृषि अधिकारी ने केंद्र प्रबंधक को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी खतौनी और फसल की मांग के अनुसार टोकन प्रणाली से खाद वितरित की जाए ताकि अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान शिव खाद

भंडार गौरीगंज, साधन सहकारी समिति कौहार, तिवारी ट्रेडर्स कौहार, एग्री जंक्शन केंद्र कौहार, मौर्य बीज भंडार शाहगढ़, देवराज पांडे खाद भंडार शाहगढ़ और बी-पैक्स दरपीपुर जैसे प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया। छापेमारी के दौरान तीन उर्वरकों के नमूने एकत्र किए गए जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार ने साधन सहकारी समिति भीमी पश्चिम और सारदन का निरीक्षण कर सचिवों को वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारी ने बताया कि जनपद की सभी सहकारी समितियों पर लगातार उर्वरक की आपूर्ति की जा रही है। बीते दो दिनों में 47 समितियों को डीएपी का प्रेषण किया गया है और जहां कमी है, वहां शीघ्र प्रेषण किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी ने समस्त थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि बिना टैगिंग के निर्धारित दर पर ही खाद वितरित की जाए और किसी भी अनियमितता की स्थिति में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# रेलवे क्रॉसिंग को सीसीटीवी और आधुनिक उपकरणों से लैस करने का आदेश, सुरक्षित रेलयात्रा की है तैयारी

**नई दिल्ली।** रेलवे क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों की परेशानी दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में सभी लेवल क्रॉसिंग (एलसी) पर सीसीटीवी कैमरे, रिकार्डिंग प्रणाली आदि लगाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही पांच दिवसीय सुरक्षा निरीक्षण अभियान भी शुरू किया गया। विचार-विमर्श करने के बाद लिए महत्वपूर्ण निर्णय अधिकारियों ने बताया कि अपने पिता के निधन के एक दिन बाद ही रेल मंत्री ने बुधवार को टेलीफोन के माध्यम से रेलवे सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए समीक्षा बैठक की। ह्यलेवल क्रॉसिंग गेट सुरक्षाह्न

पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सभी एलसी गेट पर सीसीटीवी कैमरे, रिकॉर्डिंग प्रणाली लगाने के साथ ही इंटरलॉकिंग का कार्य करने, बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए सोलर पैनल लगाने, बैटरी बैकअप की व्यवस्था करने को कहा गया गया है। वायस लागर प्रणाली को भी करेंगे एक्टिवेट आदेश में यह भी कहा गया है कि सड़क यातायात के लिए बंद किए गए क्रॉसिंग को फिर से खोलने की नीति की समीक्षा की जाएगी। उसके बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। गैर इंटरलॉक गेट पर

**रेलवे क्रॉसिंग पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अफसरों के साथ मीटिंग की। सभी लेवल क्रॉसिंग पर सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए हैं।**

वायस लागर प्रणाली की कार्यशीलता की पुष्टि मंडल रेल प्रबंधक करेंगे। रोड अंडरब्रिज और रोड ओवरब्रिज के निर्माण में लाएंगे तेजी आवाज की रिकॉर्डिंग की जांच भी जाएगी। सभी एलसी गेट पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड आदि में आवश्यक सुधार किए जाएंगे। इस तरह के क्रॉसिंग को समाप्त करने के लिए रोड अंडरब्रिज और रोड ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी। उन क्रॉसिंग की सूची तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है जहां विवाद या मारपीट की घटनाएं घटित होती हैं। सभी क्षेत्रीय रेलवे को कम समय में इन कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया गया है। क्यों दिया गया है रेल मंत्रालय की ओर से यह आदेश बीते कुछ वर्षों में रेलवे में दुर्घटनाओं में कमी तो आई है लेकिन यह अब भी पूरी तरह से बंद नहीं हो सके । ऐसे में रेल मंत्रालय का प्रयास है कि आधुनिक उपकरणों से रेलवे को लैस करने से रेलयात्रियों का सफर सुरक्षित किया जा सके। यह आदेश इसी लक्ष्य की प्राप्ती के लिए

## तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एक कमरे के अंदर से आ रही थी बदबू, केयर टेकर ने पुलिस को बुलाया तो पता चला...

**दक्षिणी दिल्ली।** नेब सराय थानाक्षेत्र के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे के अंदर से शव की बदबू आने पर घटना का पता चला। पुलिस को उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि युवक नशे का आदी था। अंदर से लॉक था कमरा पुलिस को बुधवार शाम करीब पांच बजे सूचना मिली थी कि तुगलकाबाद एक्सटेंशन स्थित एक बिल्डिंग के कमरे से बदबू आ रही है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर का एक कमरा अंदर से लॉक था। पुलिस ने आवाज लगाई तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पुलिस ने कमरे की खिड़की तोड़ी तो अंदर पंखे से बंधी रस्सी से एक युवक का शव लटका था। चेन्नई का रहने वाला था युवक मृतक की पहचान 40 वर्षीय आर चंद्रशेखर के रूप में हुई। वह मूलरूप से चेन्नई का रहने वाला था। वह 2022 से किराए पर अकेले रह रहा था। पुलिस ने बताया कि युवक शराब व गांजे का नशा करता था। पुलिस को कमरे के अंदर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सात जुलाई से घर में खुद को कर रखा था बंद बताया जा रहा है कि वह सात जुलाई से कमरे से बाहर नहीं आया था। पुलिस ने युवक को बेरोजगार बताया है। बिल्डिंग मालिक का कहना है कि वह गुरुग्राम की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर था। वह करीब 10 दिन पहले अस्पताल से भी डिस्चार्ज होकर आया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

## मिट्टी में मिल गई 15 साल से चल रही दुकानें, चार घंटे तक ताबड़तोड़ गरजा बुलडोजर

**बाहरी दिल्ली।** रोहिणी नगर निगम की लाइसेंसिंग व वर्क्स ब्रांच ने बुधवार को अवैध निर्माण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। करीब चार घंटे की कार्रवाई के दौरान नगर निगम के बुलडोजर ने सड़क किनारे लगभग 15 साल से चल रही दो दुकानों को ध्वस्त किया। इसके अलावा 30 से अधिक अवैध छज्जे, टीनशेड, रैंप आदि ढहाए गए। इस दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी के कारण उनके मंसूबे सफल नहीं हो सके। बुधवार मध्याह्न करीब 12 बजे नगर निगम की लाइसेंसिंग व वर्क्स ब्रांच ने अवैध निर्माण के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू की। नगर निगम की टीम ने मंगोलपुरी के आई-ब्लॉक स्थित बिरयानी की दुकान और जे-ब्लॉक स्थित कपड़े सिलाई दुकान पर बुलडोजर चलाया। निगम अधिकारी ने बताया कि बिरयानी की दुकान फुटपाथ की जगह में बनाई गई थी और सिलाई की दुकान रोड के किनारे चल रही थी। अधिकारी ने बताया कि दोनों दुकानें पिछले कई वर्षों से चल रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों दुकानें 15 साल से अधिक समय से चल रही थीं। इस दौरान निगम की टीम ने आई और जे ब्लाक के फुटपाथ पर बनाए गए पक्के रैंप, अवैध छज्जे, टीनशेड आदि को गिराया गया। निगम अधिकारी ने बताया कि टीम ने शाम तक 30 से ज्यादा अतिक्रमण को हटाया गया। महीनेभर से मंगोलपुरी क्षेत्र में चल रहा है अभियान अतिक्रमण व अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम का बुलडोजर महीनेभर से मंगोलपुरी में चल रहा है। पिछले एक महीने के दौरान नगर निगम वाई, आई और जे-ब्लॉक में कई अभियान चला चुका है। बुधवार की कार्रवाई से पहले नगर निगम पार्क और फुटपाथ से अतिक्रमण हटा चुका है। कुछ समय पहले मंगोलपुरी के अलावा सुल्तानपुरी के पी-एक से लेकर पी-चार और सी-ब्लॉक में भी अतिक्रमण हटाए थे।

## चार साल बीत गए पर दिल्ली सरकार ने नहीं माना दक्षिण रिज पर मिला एनजीटी का आदेश, अब दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

**नई दिल्ली:** चार साल बीत जाने के बाद भी दिल्ली सरकार द्वारा दक्षिण रिज के कुछ हिस्सों को आरक्षित वन घोषित करने के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने चिंता व्यक्त की। एनजीटी ने वर्ष 2021 में दिए गए आदेश की समीक्षा करते हुए कहा कि एनजीटी ने दिल्ली सरकार को भारतीय वन अधिनियम की धारा 20 के तहत दक्षिणी रिज के कुछ हिस्सों को आरक्षित वन घोषित करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, चार साल से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद केवल एक छोटे से हिस्से को ही अधिसूचित किया गया है।

दिल्ली सरकार ने रिपोर्ट दाखिल करने को मांगा समय एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सरकार की तरफ से बार-बार होने वाली देरी और अनावश्यक जमीनी सत्यापन का उल्लेख किया। हालांकि, अब तक इस दिशा में स्पष्ट रिपोर्ट नहीं दी जा सकी। एनजीटी से दिल्ली सरकार ने समयसीमा के साथ रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 25 जुलाई को होगी इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए दिल्ली सरकार को अधिसूचना के लिए स्पष्ट समयसीमा बताने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। मामले में आगे की सुनवाई 25 जुलाई की तारीख तय की गई है। सुनवाई के दौरान उप वन सरंक्षक (डीसीएफ) की तरफ से दाखिल हलफनामा में कहा गया कि इस संबंध में उच्च स्तरीय अधिकारियों की इस संबंध में बैठक हुई है। जमीन सत्यापन के संबंध में निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ताजा रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कुछ समय की मोहलत दी जाए।

## दिल्ली से चुराई तीन कार, 1923 केएम दूर पुलिस ने की बरामद; कुख्यात चोर गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कर्नाटक के रहने वाले कुख्यात वाहन चोर यश देसाई को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दिल्ली से चुराई गई तीन कार महाराष्ट्र और गोवा से बरामद की है। यश देसाई से पूछताछ के आधार पर पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक यश देसाई, बेलगावी, कर्नाटक का रहने वाला है। जनवरी 2023 में पश्चिम विहार ईस्ट से एक टोयोटा फार्च्यूनर कार चोरी हो गई थी। मामले की जांच की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपने पर पुलिस टीम ने जांच पड़ताल के बाद कार को पनवेल, महाराष्ट्र से बरामद कर दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। उनसे पूछताछ में यश देसाई का नाम सामने आया था। जिसके बाद से वह गिरफ्तारी से बच रहा था। 2024 में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसीपी राजपाल डबास व निरीक्षक अक्षय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई माह तक जांच के बाद अंततः आरोपित को कुछ समय पहले चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के बाद 12 दिनों से अधिक समय तक चली छापेमारी कर कोल्हापुर, महाराष्ट्र और गोवा से तीन चोरी की कारें बरामद कर ली। उक्त कारें दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चुराई गई थीं। किआ सेल्टोस कार 2021 में मंगोलपुरी से चुराई गई थी। बलेनो 2021 में मौर्य एन्क्लेव और इनोवा क्रिस्टा कार 2021 में सुभाष प्लेस से चुराई गई थी।

## ब्रजघाट व तिगरी गंगा धाम में गुरु पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:-** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बृजघाट एवं गंगा धाम तिगरी में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। गुरु पूर्णिमा के अवसर गुरुवार सुबह 5 बजे से ही स्नान के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया था और दिन के उजाले में दोनों गंगा घाट श्रद्धालुओं की भीड़ भरते दिखाई दिए।गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गजरौला के ब्रजघाट और तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी मंगलकामना मांगी। गुरु पूर्णिमा का महत्वः गुरु पूर्णिमा का दिन आध्यात्मिक गुरु और शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है। इस दिन गंगा स्नान करने से आत्मशुद्धि और पुण्य प्राप्ति की मान्यता है।इस दौरान दोनों गंगा घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा।उधर दोनों जगहों पर गंगा घाट तरह तरह की दुकानों से सजा रहा । बताया जाता है कि बृजघाट एवं गंगा धाम तिगरी में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, बिजनौर, संभल, मुरादाबाद और रामपुर जैसी कई जगहों से श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंचते हैं।

## दिल्ली-एनसीआर में फिर शुरू हुई बारिश, ऑफिस जाने वाले जलभराव और जाम से परेशान

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर के कई शहरों में आज (गुरुवार) को भी बारिश हो रही है। बारिश होने से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है तो वहीं जलभराव का खतरा भी मंडरा रहा है। इससे पहले बुधवार को दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में अच्छी बारिश हुई थी, जिस वजह से कई शहरों से जलभराव की तस्वीरें सामने आई थी। वहीं, हरियाणा में तो कई जगहों पर सड़कें भी धंस गई थीं, जिस वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। उधर, हाईवे पर भीषण जाम लगने से भी लोगों को काफी दिक्कत हुई थी। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए पूवार्नुमान में यलो अलर्ट जारी किया था। दोपहर में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया। शाम को सात बजे रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। हैरत की बात यह कि रेड अलर्ट जारी होने से पूर्व ही विभिन्न इलाकों में तेज वर्षा शुरू हो गई थी। जबकि रेड अलर्ट जारी हो जाने के बाद वर्षा की तीव्रता कम हो गई। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि गुरुवार को भी दिन भर बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के भी आसार हैं।

## कैबिनेट के फैसले से छह माह पहले ही निजी ठेकेदारों ने बेचनी शुरू कर दी थी शराब, जांच शुरू

**नई दिल्ली।** आबकारी घोटाले में प्रस्तुत हुई कैग रिपोर्ट की जांच कर रही दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के सामने चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। बुधवार को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए हुई समिति की पहली बैठक में इस मामले को पकड़ा गया। इसमें पता चला है कि दिल्ली कैबिनेट के फैसले से छह माह पहले ही निजी ठेकेदारों ने दिल्ली में शराब बेचने का काम शुरू कर दिया था। इस मामले में समिति के अध्यक्ष अजय महावर ने आबकारी आयुक्त से जवाब मांगा है। आबकारी आयुक्त से जवाब तलब महावर ने आबकारी आयुक्त से पूछा कि जब नीति लागू होने के छह महीने बाद कैबिनेट ने मंजूरी दी तो पहले ही लाइसेंसधारकों को काम करने की छूट किस आधार पर दी गई? अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगली बार वे इस मामले में पूरे दस्तावेज, फाइलें और तथ्यों के साथ पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों। बुलाये जा सकते हैं दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री बुधवार से समिति ने इस मुददे पर चर्चा शुरू कर दी है। कहा जा रहा है आने वाले समय में आबकारी मामले को लेकर कई मामले उजागर हो सकते हैं। आबकारी मामले में आरोपी रहे आप सरकार के पूर्व मंत्रियों को भी समिति में बुलाया जा सकता है। बजट खर्च न कर पाने वाले विभाग भी आये घेरे में दिल्ली विधानसभा की पीएसी की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को समिति के अध्यक्ष अजय महावर की अध्यक्षता में हुई। बैठक पिछली आबकारी नीति पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट और उस पर प्रस्तुत कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा की गई। समिति ने उन विभागों से स्पष्टीकरण मांगा जिन्होंने बजट का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा चर्चा को भटकाने की कोशिश भी की गई, जिससे कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित हुई। बैठक में पीएसी अध्यक्ष के साथ समिति के सदस्य विधायक अरविंदर सिंह लवली, आतिशी, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, वीरेंद्र कादयान और कुलदीप कुमार शामिल रहे। वरिष्ठ अधिकारियों में महालेखाकार (आडिट), आबकारी आयुक्त, अपर मुख्य सचिव (वित्त) और दिल्ली विधानसभा सचिव भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक करीब दो घंटे तक चली यह बैठक करीब दो घंटे तक चली और समिति द्वारा आबकारी सहित प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के पहले एजेंडे में ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमसी) के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई।

## शकूर बस्ती का बदलेगा नाम? दिल्ली के सबसे अमीर विधायक ने चलाया ये अभियान

**बाहरी दिल्ली:** शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र का नाम बदलने की कसरत शुरू हो गई है। भाजपा विधायक करनैल सिंह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र का नाम बदलकर श्री रामपुरम करने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। विधायक ने अपनी मांग के समर्थन में 60 हजार से ज्यादा लोगों के हस्ताक्षर करा लिये हैं। एक लाख लोगों के हस्ताक्षर का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा विधायक का कहना है कि शकूर बस्ती का नाम बदलने की मांग कोई राजनीतिक कदम नहीं है, यह क्षेत्र वासियों की मांग है। करनैल सिंह ने कहा कि एक लाख स्थानीय लोगों के हस्ताक्षर एकत्र करने के बाद शकूर बस्ती का नाम बदलने का प्रस्ताव दिल्ली विधानसभा के अगले सत्र में लाया जाएगा। फरवरी माह में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में शकूर बस्ती क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे और आप सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को हराने वाले करनैल सिंह ने बताया कि चुनाव के दौरान कई लोगों ने बताया था कि वे शकूर बस्ती का नाम बदलना चाहते हैं। यह क्षेत्र अब बस्ती के बजाय ऊंची इमारतों वाला विकसित इलाका बन गया है। क्षेत्र के बुजुर्गों सहित कई लोगों ने सुझाव दिया था कि शकूर बस्ती का नाम बदलकर श्री रामपुरम कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि श्री रामपुरम नाम लोगों की भावनाओं के आधार पर सुझाया गया। स्वाभाविक है, भगवान श्री राम लोगों के दिलों में बसते हैं। विधायक ने कहा कि सरकार और पार्टी संगठन से क्षेत्र के लोगों की मांग पर विचार करने का अनुरोध भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शकूर बस्ती में लगभग 1.5 लाख मतदाता हैं, इनमें से लगभग 99 हजार ने इस साल फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान किया था, इसलिए मैं उनका समर्थन मांग रहा हूं।उठ चुकी है मुस्तफाबाद का नाम बदलने की मांग इससे पहले, उत्तर पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद का नाम बदलने की मांग वहां के विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने उठाई थी। भाजपा विधायक ने इस साल की शुरूआत में दावा किया था कि इस क्षेत्र में हिंदू मतदाताओं का प्रतिशत अधिक है और उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव विहार या शिव पुरी करने का सुझाव दिया था। उन्होंने इसके लिए विधानसभा सत्र में प्रस्ताव लाने की योजना बनाई थी। बिष्ट ने बताया कि इस संबंध में विधानसभा प्रस्ताव पेश किया जा चुका है। फिलहाल यह प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।

## दिल्ली में 5 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार, बिहार में रहकर कर रहे थे ईंट भट्ठे पर काम, पुलिस ने पकड़ा तो बोले...

**दक्षिणी दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल की टीम ने दिल्ली कैंट इलाके में घूम रहे पांच अवैध बांग्लादेशियों को पकड़ा है। आरोपितों ने 2023 में अवैध तरीके से घुसपैठ की। बिहार के गया में ईंट भट्ठे पर काम करना शुरू कर दिया था। वहां काम मिलना बंद होने से पर दिल्ली पहुंचे थे। आरोपितों में एक महिला व सवा महीने का बच्चा भी शामिल है। आरोपितों को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें वापस बांग्लादेश भेजा जा रहा है। नहीं पेश कर पाए वैध दस्तावेज इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि आठ जुलाई को टीम को सूचना मिली कि कुछ अवैध बांग्लादेशी दिल्ली कैंट में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई और संदिग्धों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहे और उन्होंने अवैध बांग्लादेशी प्रवासी होने की बात स्वीकार कर ली। गया

में कर रहे थे ईंट भट्ठों पर काम आरोपितों ने बांग्लादेश से भारत में घुसपैइ की कहानी के बारे में बताया कि वर्ष 2023 में अवैध तरीकों से वे भारत में प्रवेश करने में कामयाब हो गए थे। वे सभी बिहार के गया में ईंट भट्ठों पर काम कर रहे थे। हाल ही में ईंट भट्ठों के मालिक ने उन्हें काम से हटा दिया। इसके बाद वे काम की तलाश में ट्रेन से दिल्ली पहुंचे। उनके पास केवल बांग्लादेशी दस्तावेजों यानी बांग्लादेश के राष्ट्रीय पहचान पत्र की फोटोकॉपी थी। वापस बांग्लादेश भेजा जा रहा आरोपितों में ढाका-बांग्लादेश निवासी उकील अमीन, अब्दुल रहीम व एक नवजात (मो. जाकिर) और कुरीग्राम-बांग्लादेश निवासी मो. जाहिदुल इस्लाम व जिम्मू खातून शामिल हैं। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआर आरओ) की मदद से आरोपितों को वापस बांग्लादेश भेजा जा रहा है। धरपकड़ के लिए हर तरह के प्रयास किए जा रहे बीते कुछ समय से पूरे देशभर में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। सीमा पार करके अवैध तरीके से आए इन लोगों की धरपकड़ के लिए हर तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। यह पकड़े गए बांग्लादेशी भी इसी कानूनी कार्रवाई की एक कड़ी हैं।

# भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा, इंग्लैंड में रचा इतिहास

**मैनचेस्टर (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में दो या उससे अधिक मुकाबलों की टी20 सीरीज अपने नाम की है।

भारत ने इंग्लैंड में पहली बार साल 2006 में टी20 क्रिकेट खेला था। इस दौरान सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला गया, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का यह मुकाबला मैनचेस्टर में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

इंग्लैंड को अपना ही निर्णय भारी पड़ गया। टीम ने 21 के स्कोर पर डेनियल व्याट-हॉज (5) का विकेट खो दिया। इसके बाद टीम ने निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाए। मेजबान टीम निर्धारित ओवरों तक सात विकेट खोकर महज 126 रन बना सकी। इस टीम के लिए सोफिया डंकले ने 19 गेंदों में सर्वाधिक 22 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए। भारत की ओर से श्री चरणी और राधा यादव को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारतीय टीम ने तीन ओवर शेष रहते मुकाबला जीत लिया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बीच सात ओवरों में 56 रन की साझेदारी हुई। शेफाली ने 19 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि मंधाना ने 31 गेंदों में 32 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत 69 के स्कोर तक अपनी सलामी जोड़ी गंवा चुका था। यहां से जेमिमा रोड्रिगेज ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। हरमनप्रीत कौर ने 25 गेंदों में 26 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके शामिल रहे, जबकि जेमिमा ने 22 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन, सोफी एक्लेस्टोन और ईसी वोंग ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। भारत पांच मुकाबलों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना चुका है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

## लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत में सचिन तेंदुलकर ने पांच मिनट तक बजाई 'ऐतिहासिक घंटी'

**लंदन (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से लॉर्ड्स में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट की शुरुआत हुई। सचिन तेंदुलकर ने लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत से पहले पांच मिनट तक प्रतिष्ठित घंटी बजाई।

सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजली तेंदुलकर के साथ स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद दर्शकों को नमस्ते करने और फिर उनका अभिवादन स्वीकार करने के बाद पांच मिनट तक घंटी बजाई। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत करते नजर आए।

लॉर्ड्स में किसी भी टेस्ट से पहले घंटी बजाने की परंपरा 2007 से शुरू हुई थी। सचिन से पहले सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज भारतीय इस परंपरा को निभा चुके हैं। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा था कि तेंदुलकर लॉर्ड्स में पहली बार उसी दिन घंटी बजाएंगे, जिस दिन एमसीसी संग्रहालय में कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाए गए उनके चित्र अनावरण किया जाएगा। इसके बाद संस्था ने कहा कि ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाया गया तेंदुलकर का चित्र संग्रहालय में ही रहेगा और इस साल के अंत में उसे पवेलियन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। साल 2013 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले तेंदुलकर को सर्वकालिक महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। मुंबई के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीनों प्रारूपों में 34,357 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने वाले वह एकमात्र बल्लेबाज हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की बात करें तो दोनों ही टीमें गेंदबाजी में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। इंग्लैंड ने जोश टंग को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा है।

## वैभव से मिलने 6 घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं दो किशोरियां

**लंदन (एजेंसी)।** आजकल इंग्लैंड में अंडर-10 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव के प्रशंसकों की तादाद लगातार बढ़ रही है। 14 साल के वैभव आईपीएल में शानदार प्रदर्शन

के बाद से ही सभी की नजरों में आये हैं। इस उभरते क्रिकेटर की आक्रामक बल्लेबाजी शैली से प्रभावित दो लड़कियां 6 घंटे गाड़ी चलाकर उससे मिलने पहुंची।

अन्या और रीवा नाम की दो किशोरियां इस इस क्रिकेट स्टार से मिलने के लिए वॉर्सेस्टर तक छह घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं। राजस्थान रॉयल्स की जर्सी पहने और उत्साह से भरी इन लड़कियों का सपना तब पूरा हुआ जब वैभव ने इनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राजस्थान रॉयल्स ने इससे सोशल मीडिया में भी साझा किया है। साथ ही लिखा, सबूत है कि हमारे पास सबसे अच्छे प्रशंसक क्यों हैं। वॉर्सेस्टर तक 6 घंटे गाड़ी चलाई। अपनी गुलाबी जर्सी पहनी। वैभव और टीम इंडिया का उत्साहवर्धन किया। आन्या और रीवा के लिए यह दिन यादगार रहा।

वैभव ने आईपीएल 2025 के दौरान गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वह पुरुषों के टी20 इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले और आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में उन्होंने 5 एकदिवसीय मैचों में 355 रन बनाए जिसमें 143 रनों की आक्रामक पारी भी शामिल है।

## लॉर्ड्स टेस्ट: लंच तक इंग्लैंड के 83/2, एक ही ओवर में रेड्डी ने इंग्लैंड को दिए दो झटके

**लॉर्ड्स (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट गुरुवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और लंच तक दो विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए। ओली पोप 12 और जो रूट 24 रन बनाकर नाबाद हैं।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 43 के स्कोर पर बेन डकेट के रूप में लगा। वह 23 रन बनाकर आउट हुए। जैक क्रॉले की असफलता का दौर जारी रहा। वह दूसरे विकेट के रूप में 18 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम का स्कोर 44 था। इंग्लैंड को दोनों झटके पारी के 14वें ओवर में नितीश कुमार रेड्डी ने दिए।

इसके बाद ओली पोप और जो रूट ने सावधानी से बल्लेबाजी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों के बीच 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। पोप 34 गेंद में 12 और रूट 34 गेंद में 24 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ये दोनों बल्लेबाज दूसरे सेशन में कैसा प्रदर्शन करते हैं, इस पर इंग्लैंड की पारी काफी हद तक निर्भर करेगी। अगर इनका विकेट गिरता है, तो भारतीय टीम का पलड़ा भारी होगा। अगर ये आउट नहीं हुए, तो

इंग्लैंड बड़ा स्कोर बना सकती है। दोनों टीमें मैच में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह दी है। उन्हें पिछले टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया था।

हालांकि बुमराह पहले सेशन में अपना प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने उन्हें सावधानी से खेला और कोई भी विकेट उन्हें नहीं दिया है। इंग्लैंड टीम ने भी एक बदलाव किया है। चार साल बाद जोफ्रा आर्चर टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें जोश यंग की जगह टीम में मौका दिया गया है।

## एमसीसी संग्रहालय में सचिन की तस्वीर का अनावरण हुआ

लंदन (ईएमएस)। यहां लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की नई तस्वीर का अनावरण हुआ। ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाई गई इस तस्वीर में तेंदुलकर की विशाल छवि को दिखाया गया है और यह इस वर्ष के अंत में मंडप में स्थानांतरित किए जाने से पहले संग्रहालय में रहेगी। इसी को लेकर एमसीसी की संग्रह एवं कार्यक्रम प्रबंधक चार्लोट गुडह्यू ने कहा, सचिन तेंदुलकर जैसे व्यक्तित्व की तस्वीर को संग्रहालय में शामिल करना विशेष बात है। एमसीसी की संग्रहित तस्वीर में यह किसी भारतीय खिलाड़ी की पांचवीं और पियर्सन राइट द्वारा बनायी चौथी तस्वीर है। यहां तेंदुलकर से पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलीप वेंगसरकर की तस्वीरें उन्होंने बनायी हैं। कपिल देव, बिशन बेदी और दिलीप वेंगसरकर की आदमकद तस्वीरों के विपरीत सचिन की तस्वीर सिर्फ उनकी छाती तक है। यह पेंटिंग 18 साल पहले मुंबई में तेंदुलकर के घर पर ली गई एक तस्वीर पर आधारित है।

## ऋषभ बन सकते हैं टेस्ट में सबसे अधिक छक्के मारने वाले बल्लेबाज

लॉर्ड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। ऋषभ ने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाये थे, जबकि दूसरे मैच में भी उन्होंने एक अर्धशतक लगाया था, इस दौरान उन्होंने काफी छक्के लगाये थे। ऐस में अब उन्हें भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए केवल पांच छक्के चाहिये। अगर वह सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों में पांच छक्के लगाने में सफल होते हैं तो इस प्रारुप में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी वह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। सबसे अधिक छक्के लगाने में ऋषभ पंत से पहले रोहित शर्मा और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने अपने करियर में 90 छक्के लगाये हैं जबकि रोहित के नाम 88 छक्के हैं जबकि ऋषभ पंत के नाम केवल 45 मैचों में ही 86 छक्के हैं। अगर वे 5 छक्के और लगा देते हैं तो भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। विश्व के के सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले शीर्ष 5 बल्लेबाजों में शामिल होने के लिए ऋषभ को केवल 13 छक्के ही चाहिये। इस सीरीज में इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक चार पारियों में 13 छक्के लगाये हैं।

## फीफा रैंकिंग में भारत 133वें स्थान पर, नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम जून में मिली दो हार से गुरुवार को जारी फीफा रैंकिंग में छह पायदान की गिरावट से 133वें स्थान पर खिसक गई। भारत चार जून को एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में थाईलैंड (0-2) से हार गया और फिर एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में उसे निचली रैंकिंग वाली हांगकांग (0-1) से भी पराजय झेलनी पड़ी।

इसके बाद मुख्य कोच मनोलो मारकेज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से नाता तोड़ लिया। इससे पहले पिछली बार भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में थी जब वह 135वें स्थान पर थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 थी। भारतीय टीम के

अभी 1113.22 रेटिंग अंक हैं जबकि पहले उसके 1132.03 अंक थे। वह 46 एशियाई देशों में 24वें स्थान पर है जिसमें जापान (17वीं रैंकिंग) सबसे आगे है।

भारतीय पुरुष टीम के लिए कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। हांगकांग के खिलाफ हार ने टीम की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की मुहिम को मुश्किल में डाल दिया है। मारकेज के मार्गदर्शन में टीम ने अपने पिछले आठ में से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की और उसे यह जीत मार्च में मालदीव के खिलाफ मिली थी। इस सल भारत ने अभी तक चार मैच खेले हैं जिसमें से उसे एक में जीत मिली है जबकि दो मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच ड्रॉ रहा।

इन खराब नतीजों के कारण पूर्व कप्तान और स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री की टीम में संन्यास से वापसी हुई लेकिन इससे टीम की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। भारत का अगला अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ है जो एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर का मुकाबला है। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना 210 देशों की सूची में सबसे आगे है। इसके बाद शीर्ष 10 में स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया शामिल हैं।

## नोवाक जोकोविच 14वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में, विश्व नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा मुकाबला

लंदन। नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके पुरुष एकल में रिकॉर्ड 14वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में विश्व के 22वें नंबर के खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली को 6-7 (6), 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। सात बार के विंबलडन चैंपियन ने 23 साल के कोबोली के खिलाफ अपने अनुभव का अच?छा प्रदर्शन किया। पहले गेम में शिकस्त झेलने के बावजूद जोकोविक ने हिम?मत नहीं हारी और कोर्ट पर अपनी शैली का प्रदर्शन करते हुए युवा खिलाड़ी को मात दी। इससे पहले तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने शानदार सर्विस और तेज फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए 10वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराया। जोकोविच को सिनर से पिछले चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा लेकिन विंबलडन में उन्होंने इटली के इस खिलाड़ी के खिलाफ जो दो मैच खेले हैं उनमें उन्होंने जीत हासिल की है। जोकोविच ने कहा, ''मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इस समय यानिक को हराने के लिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' इस बीच महिला एकल में इगा स्वियाटेक ने 19वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा पर 6-2, 7-5 से जीत के साथ पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्वियाटेक फाइनल में जगह बनाने के लिए गैर-वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी जिन्होंने सातवीं वरीय मीरा एंड्रीवा को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराया।

## अगले माह श्रीलंकाई दौरे में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले माह एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारतीय टीम के अगले माह श्रीलंका दौरे पर जाने की संभावना है। इसी दौर पर विराट और रोहित को खेलते हुए प्रशंसक देख सकते है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) से एक छोटी ही सीमित ओवरों की सीरीज खेलने का अनुरोध किया है। जिसपर बीसीसीआई विचार कर रहा है। भारतीय टीम को अगले महीने अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था पर वहां के हालात ठीक नहीं होने से ये दौरा रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से उसके वहां दौरे की पेशकश की थी। वहीं बीसीसीआई ने अब तक इस पर प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है प अगर ये सीरीज होती है तो प्रशंसक रोहित और विराट को खेलते हुए देख सकते हैं। दोनों ने ही टी-20 और टेस्ट फॉर्मेट से सन्यास ले लिया है और केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। श्रीलंका ने तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैचों का कार्यक्रम बनाकर बीसीसीआई को भेजा है। भारतीय टीम इसी दौरान तीन मैच बांग्लादेश जाकर खेलने वाली थी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे की संभावना काफी हद तक एशिया कप पर लिए जाने वाले फैसले पर आधारित रहेगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस सप्ताह लंदन में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उपस्थित रहेंगे और वहीं खिलाड़ियों, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात करने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। एशिया कप को लेकर फैसला अगले दो-तीन दिनों में आने की संभावना है।

## श्रेयंका और साधु ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए भारत ए टीम में, राधा करेंगी टीम की अगुआई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और तेज गेंदबाज टिटास साधु को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बृहस्पतिवार को भारत ए महिला टीम में चुना गया। चोटों से वापसी करने वाली इन दोनों खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई दौरे की टीम में शामिल किया गया जो सात से 24 अगस्त के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, इतने ही वनडे और चार दिवसीय एक मैच खेलेगी।

श्रेयंका पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए महिला टी20 विश्व कप के बाद से चोट के कारण नहीं खेल पा रही थीं। उन्हें सितंबर में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलने के लिए गत चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने पहले ही चुन लिया है। वहीं साधु श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में नहीं खेली थीं और चोट के कारण अप्रैल में इंग्लैंड के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे के

लिए भी टीम में नहीं थीं।

श्रेयंका का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में खेलना बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगा जबकि साधु को मंजूरी मिल गई है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय, एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी सभी टीमों में शामिल किया गया है। इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज का इंग्लैंड दौरा काफी निराशाजनक रहा है क्योंकि उन्होंने अब तक चार मैच में केवल 101 रन बनाए हैं और उनका उच्चतम स्कोर 47 रन है।

### भारत की टी20 टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, डी वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिष्ट, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

### वनडे और चार दिवसीय टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसबनिस, राघवी बिष्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

### भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम

पहला टी20 मैच: 7 अगस्त (मैके)
दूसरा टी20 मैच: 9 अगस्त (मैके)
तीसरा टी20 मैच: 10 अगस्त (मैके)
पहला वनडे मैच : 13 अगस्त (ब्रिसबेन)
दूसरा वनडे मैच: 15 अगस्त (ब्रिसबेन)
तीसरा वनडे मैच : 17 अगस्त (ब्रिसबेन)
चार दिवसीय मैच : 21-24 अगस्त (एलन बॉर्डर फील्ड)

## शाहीन ने बुमराह को वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने भारत के जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी विश्व के शीर्ष गेंदबाज हैं। शाहीन का एक वीडियो भी आया है जिससें उन्होंने बुमराह को 10 में से 10 नंबर दिये। जब उनसे पूछा जाता है कि बुमराह को 10 में से कितने अंक देंगे तो उनका जवाब था 10 नंबर। साथ ही कहा, वह वर्तमान समय के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। स्विंग, सटीकता, अनुभव के मामले में वह सबसे आगे हैं। इस गेंदबाज ने तीनों ही प्रारुपों में अबतक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 46 टेस्ट मैच में 210 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 14 बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं 89 एकदिवसीय में उनके नाम 149 विकेट हैं। बुमराह ने 70 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 89 विकेट लिए हैं। बुमराह ने हैडिंग्ले के पहले टेस्ट मैच में 5 विकेट लिए थे। साल 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी 5 टेस्ट मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 32 विकेट लिए थे। साल 2024 में उन्होंने अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। उन्हें पिछले साल आईसीसी ने क्रिकेटर ऑफ द ईयर और टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया है हालांकि बार-बार चोटिल होने के कारण वह लगातार नहीं खेल पाते हैं।

# हार्टब्रेक सॉन्ग के बाद अब रोमांटिक गानों से दीवाना बनाएंगे जुबिन

जुबिन नौटियाल एक ऐसे गायक हैं, जिनके गानों ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाने का काम किया। सिंगर को हार्टब्रेक सॉन्ग ने काफी पहचान दिलाई, जिनमें तुम्हीं आना, हमनवा मेरे जैसे गानें शामिल हैं। अब गायक ने खुलासा किया वह अपने संगीत के जॉनर में बदलाव कर रहे हैं।

## पहले संगीत के जॉनर चुनना मुश्किल था

गायक जुबिन नौटियाल ने पीटीआई से बातचीत में अपनी गायकी को लेकर बात की। उन्होंने बताया, 'पहले के समय में गानों का जॉनर चुनना बहुत मुश्किल था। 10 साल तक लगातार गाने के बाद मैंने पाया है कि जब भी मैं कोई गाना रिकॉर्ड करता हूं, तो मैं सिर्फ यही सोचता हूं कि मैं इसे कर पाऊंगा या नहीं। मैंने हमेशा कोशिश की, चाहे वह कामयाब हो या असफल।'

## रोमांटिक गानों में बढ़ रही रूचि

हार्टब्रेक गानों से श्रोताओं के दिलों में छा जाने वाले गायक जुबिन नौटियाल अब रोमांटिक सॉन्ग की तरफ भी रूचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी विधाओं में गाने में सक्षम हूँ जिसके बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं गा सकता हूँ। मुझे एहसास हो रहा है कि लोगों को मेरा रोमांटिक पक्ष पसंद आने लगा है, और मुझे बहुत अधिक रोमांटिक सॉन्ग को गाने का मौका मिल रहा है।' आगे सिंगर ने बोला, 'एक समय था जब मैं दुख भरी आवाज से जुड़ रहा था। अब इश्क मेरा और बरबाद गाना, जो एक सैड रोमांटिक सॉन्ग है, जिसे गाना मेरे लिए एक बड़ी बात है।'

## बरबाद गाने से हो रही चर्चा

जुबिन नौटियाल इस समय आगामी फिल्म 'सैयारा' के 'बरबाद' गाने से चर्चा में हैं। गायक के इस गाने को श्रोताओं और उनके फैंस द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है।

# 'धुरंधर' में 20 साल बड़े रणवीर सिंह के साथ करेंगी रोमांस

रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म 'धुरंधर' का आज फर्स्ट लुक सामने आ गया है। इस फर्स्ट लुक में रणवीर सिंह का जबरदस्त एक्शन अवतार देखने को मिला है। फर्स्ट लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इस पर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। इसके सामने आते ही रणवीर सिंह के अलावा आर माधवन और अक्षय खन्ना के लुक की भी काफी तारीफ हो रही है।



## 20 साल छोटी एक्ट्रेस के साथ रोमांस करेंगे रणवीर

हैरान करने वाली बात ये है कि सारा अर्जुन अभी सिर्फ 20 साल की हैं। जबकि रणवीर सिंह आज ही 40 साल के पूरे हुए हैं। ऐसे में रणवीर 'धुरंधर' में खुद से 20 साल छोटी सारा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। ये पहली बार है जब रणवीर सिंह इतने अधिक उम्र के फासले वाली हीरोइन के साथ रोमांस करते दिखेंगे।

## बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की शुरुआत, कई विज्ञापनों में आई नजर

सारा अर्जुन की बात करें तो वो एक स्टारकिड हैं। सारा साउथ के मशहूर एक्टर राज अर्जुन की बेटी हैं। सारा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। सारा ने अपना करियर विज्ञापनों से शुरू किया था। उन्होंने उस उम्र में विज्ञापन करने शुरू कर दिए थे, जब वो सही से बोल तक नहीं पाती थीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सारा पांच साल की उम्र तक 100 से ज्यादा टीवी विज्ञापनों में नजर आ चुकी थीं।

## कई साउथ और हिंदी फिल्मों में आई नजर

विज्ञापनों के अलावा सारा अर्जुन ने फिल्मों में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपनी शुरुआत की थी। सारा 2011 में आई अपनी पहली फिल्म देइवा थिरुमगल से ही घर-घर में मशहूर हो गई थीं। यह तमिल ड्रामा है, जिसमें उन्होंने विक्रम के साथ काम किया था। सिर्फ छह साल की उम्र में, नीला की भूमिका निभाने वाले उनके किरदार ने दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों को प्रभावित किया था। इसके अलावा सारा अर्जुन 'एक थी डायन' में भी नजर आई थीं। वो मणिरत्नम की फिल्म 'पीएस 1' और 'पीएस 2' में भी नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राय के किरदार 'नंदिनी' के यंग एज के किरदार को निभाया था।

# क्या आरजे महवश से चहल ने अपना रिश्ता कबूल किया?

हाल ही में क्रिकेटर गौतम गंभीर, ऋषभ पंत, अभिषेक शर्मा और युजवेंद्र चहल 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में शामिल हुए। इस शो में खूब हंसी-मजाक कपिल शर्मा ने इन क्रिकेटर्स के साथ किया। इसी बीच युजवेंद्र ने आरजे महवश से अपने रिश्ते के बारे में भी हिंट दिया। कपिल के शो में चहल के बारे में जज सिद्धू ने एक टिप्पणी की, वह बोले- 'यह टीम बदल दे, ऐसा हो नहीं सकता है, मगर यह गर्लफ्रेंड जरूर बदल देता है।' इस पर ऋषभ पंत बोले, 'चहल भाई, इन दिनों फ्री हैं।' फिर ऋषभ को टोकते हुए चहल ने कहा, 'इंडिया जान चुका है। 4 महीने पहले।' यह बोलकर वह चुप हो गए। बस इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई कि युजवेंद्र चहल ने आरजे महवश से अपना रिश्ता कबूल कर लिया है।

## डेट पर साथ देखे गए थे चहल और महवश

पिछले दिनों आईपीएल मैच के दौरान आरजे महवश, युजवेंद्र की टीम को सपोर्ट करती दिखीं। दोनों को साथ में डिनर डेट पर भी देखा गया। महवश की पोस्ट पर पिछले दिनों चहल ने रिएक्शन भी दिया था। मगर अब तक दोनों ने खुलकर अपना रिश्ता स्वीकार नहीं किया था। महवश तो चहल को अच्छा दोस्त बताती हैं।

## चहल का कुछ महीनों पहले हुआ तलाक

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का कुछ महीनों पहले ही कोरियोग्राफर धनश्री से तलाक हुआ। दोनों की शादी साल 2020 में हुई। तलाक के बाद से ही आरजे महवश के चहल नजर आ रहे हैं। आरजे महवश की बात करें तो वह एक्टिंग में भी कदम रख चुकी हैं। हाल ही में एक सीरीज प्यार पैसा और प्रॉफिट में नजर आ चुकी हैं।

# कास्टिंग काउच को लेकर हेली शाह का खुलासा

अभिनेत्री हेली शाह ने मनोरंजन उद्योग के एक परेशान करने वाले अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें एक वेब शो की पेशकश की गई थी, लेकिन इसके लिए समझौता करने की शर्त रखी गई थी।

## हेली के सामने रखी गई शर्त

इंडिया फोरम के एक इंटरव्यू के दौरान हेली ने कहा कि उन्हें एक बड़ा प्रोजेक्ट ऑफर हुआ, जिसे सुनकर वह उत्साहित थीं। लेकिन जब उन्होंने पूछा कि क्या वह वाकई उनके लिए है, तो जवाब में कहा गया कि एक शर्त है, जिसके लिए उन्हें कहीं जाना होगा। हेली ने इसे ठुकरा दिया और कहा, कृपया किसी और को चुनें, मैं यह नहीं कर सकती।

## नंबर को किया ब्लॉक

उस शख्स का जवाब और भी चौंकाने वाला था। उसने कहा कि यह काम ऑनलाइन भी हो सकता है। हेली ने इसे अजीब और गलत बताया, और उस नंबर को ब्लॉक कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बेशर्मी से व्यवहार करते हैं, जो बहुत दुखद है। आखिरकार, हेली ने उस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। हेली अब गुजराती फिल्म डेडा में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन हेमा शुक्ला ने किया है। इस फिल्म में वह एक गर्भवती महिला का किरदार निभा रही हैं, जिसकी गर्भावस्था में जटिलताएं हैं। फिल्म में गौरव पासवाला, सोनाली लेले देसाई और मेहुल बुच भी हैं।

# सिंगर अमाल मलिक ने बॉलीवुड पर साधा निशाना

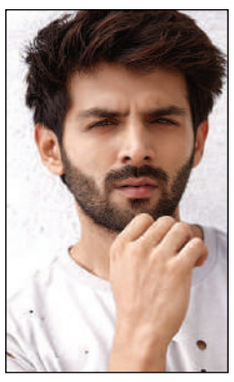

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में कार्तिक आर्यन के साथ भी वही व्यवहार हो रहा है, जैसा पहले दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ किया गया था। इंटरव्यू में अमाल मलिक ने कहा, 'अब लोगों को फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई समझ आ चुकी है। यह इंडस्ट्री अंदर से इतनी काली है कि कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। सुशांत सिंह राजपूत इस सबको सहन नहीं कर पाए। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी मौत मर्डर थी, कुछ कहते हैं सुसाइड। लेकिन जो भी हुआ, इंसान तो चला गया।' उन्होंने आगे कहा, 'इस इंडस्ट्री ने ही उनके मनोबल पर असर डाला। शायद उनके आत्मा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचाया। जब आम जनता को ये सब पता चला, तो उनका भरोसा बॉलीवुड से उठ गया। लोग कहने लगे कि यह इंडस्ट्री बहुत गंदी है।' अमाल मलिक ने आगे कहा कि सुशांत की मौत के बाद इंडस्ट्री की असली सच्चाई सामने आई और इसकी छवि खराब हो गई। इन लोगों ने जो किया, उसका नतीजा अब इन्हें भुगतना पड़ रहा है। ये लोग अब अपने डाउनफॉल के दौर से गुजर रहे हैं और ये इसके हकदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब वही सब कार्तिक आर्यन के साथ भी हो रहा है। उसे भी अलग करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन फिर भी वह मेहनत कर रहा है, मुस्कुरा रहा है, डांस करता है और आगे बढ़ रहा है। कार्तिक भी एक आउटसाइडर है, जिसने अपनी मेहनत से नाम कमाया है। लेकिन अब भी 100 लोग उसे हटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। इंडस्ट्री में पावर प्ले होता है, गेम्स खेले जाते हैं और बड़े-बड़े प्रोड्यूसर और एक्टर्स इसमें शामिल रहते हैं।'

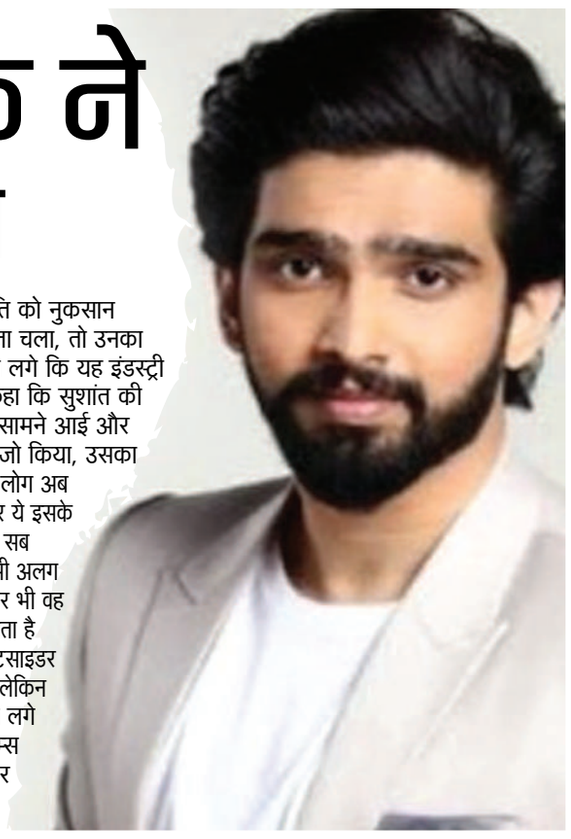

# अपूर्वा मखीजा से झगड़कर अब पछता रहीं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद और निकिता लूथर रियलिटी वेब सीरीज द ट्रेटर्स की विनर बन चुकी हैं। दोनों को सम्मिलित रूप से 70 लाख रुपये की इनामी राशि भी मिली है। शो जीतने के फौन बाद उर्फी ने खुलासा किया कि उन्हें ऑनलाइन धमकियां दी जा रही है। उन्होंने इस बाबत स्क्रीनशॉट्स भी शेयर किए, जिसमें कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें गंदी गालियां दीं, यहां तक की रेप और जान से मारने तक की धमकी दी। अब उर्फी ने ट्रोलिंग, आलोचना और शो में अपने व्यवहार पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, उर्फी जावेद की आलोचना करते हुए कई यूजर्स ने कहा कि उन्होंने अपूर्वा मखीजा की पीठ में छुरा घोंपा। अब इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उर्फी ने माना कि वह इस स्थिति को और बेहतर तरीके से संभाल सकती थीं। उनसे चूक हुई है।

उर्फी ने शो में अपनी लड़ाई के बारे में बात करते हुए कहा, आमतौर पर रियलिटी शोज में झगड़े होते रहते हैं। मैं उन पर ध्यान नहीं दे सकती। मैं किसी से नफरत नहीं करती, किसी के प्रति कोई बुरी भावना नहीं रखती। ये सभी अभी बच्चे हैं और उन्होंने जो भी कहा है, दो साल बाद वह खुद इस पर हंसेंगे। मैंने भी ऐसा किया है। मैं भी बहुत इम्पलसिव नेचर की हूं।

## अपूर्वा के साथ मेरा झगड़ा सम्मान को लेकर हुआ था

एक्ट्रेस और अपने अलहदा फैशन के लिए मशहूर उर्फी जावेद ने आगे बताया कि शो में जब अपूर्वा मखीजा ने उनसे बुरी तरह बात की, तो वह भड़क गई थीं। उन्होंने कहा, अपूर्वा के साथ मेरा झगड़ा सम्मान को लेकर हुआ था। यह मेरे अंदर एक असुरक्षा की भावना के कारण हुआ। इतने साल से, मेरे साथ इतना दुर्व्यवहार और अपमान किया गया है कि अब यह मुझे असुरक्षित महसूस करवा रहा है। इस वजह से, मैं कई बार हदें पार कर जाती हूं और ऐसी बातें कह देती हूं जिन्हें मैं वापस नहीं ले सकती।

## मैं दोषी हूं, स्थिति को संभाल सकती थी

उर्फी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, मैं पूरी तरह से दोषी हूं। अपूर्वा के साथ झगड़े के दौरान मैं स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकती थी। मुझे इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए थी। मैंने जरूरत से ज्यादा कह दिया। मुझे लगा कि उसने मुझसे इस तरह बात करने की हिम्मत कैसे की?

## मैं और अपूर्वा दोस्त नहीं रह सकते

द ट्रेटर्स की विनर उर्फी जावेद से पूछा गया कि क्या उन्होंने शो में या उसके बाद अपूर्वा से रिश्ते सुधारने की कोशिश की तो उन्होंने कहा, हम दो बहुत अलग लोग हैं, हमारी पर्सनैलिटी मेल नहीं खाते। इसलिए हम दोस्त नहीं रह सकते। मेरे मन में किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं है, और मुझे उससे कोई नफरत नहीं है। मैंने सोशल मीडिया पर कुछ नहीं कहा, लेकिन उसने बहुत सी बातें कहीं। जब उसने कहा कि मैं एक घटिया इंसान हूं, तब मैं हर्ष को देख रही थी। मुझे बहुत दुख हुआ।

## मुझे आश्चर्य हुआ कि कोई इतना गंदा कैसे...

उर्फी ने अपनी बात रखते हुए अंत में कहा, मुझे उस दौरान आश्चर्य हुआ कि कोई इतना गंदा कैसे हो सकता है। उसके पास युवाओं का एक बड़ा दर्शक वर्ग है, और सभी ने मुझे गाली देना शुरू कर दिया। मुझे उसकी वजह से बहुत सारे भद्दे मैसेज मिले हैं। मैं बहुत अजीब स्थिति में थी। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि यह इसके लायक नहीं था, इसने उस समय मुझे बहुत प्रभावित किया। हालांकि, मुझे अपने इम्प्लसिव बिहेवियर पर काम करने की जरूरत है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक - अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट - समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।